

पार्टनर से न रखें इन चीजों की अपेक्षाएं, जो कर सकती हैं आपके अच्छे-भले रिलेशनशिप को खराब



वहीं लड़कियां भी अपने पार्टनर से अलग-अलग तरह की एक्सपेक्शन रखती हैं। थोड़ी-बहुत और वाजिब एक्सपेक्टेशन रखना रिलेशनशिप में गलत नहीं है, लेकिन कोई भी ऐसी अपेक्षाएं न पालें, जिसे लेकर आप दोनों में रोजाना ही लड़ाई-झगड़े हों और अंत में अलगाव होने का ही ऑप्शन बचें। किन तरह की अपेक्षाएं पार्टनर से न रखें, आज हम इसके बारे में जानने वाले हैं।

पार्टनर का आपकी ओर रूचैया कभी नहीं बदलेगा

ये इनसिक्वोरिटी महिला व पुरुष दोनों की तरफ से हो सकती है। जिसके चलते उनके मन में शक और अविश्वास भर सकता है और इसकी वजह से रिलेशनशिप में दरार आ सकती है। ये बात जान लें कि रिलेशनशिप हमेशा एक जैसा नहीं रह सकता, इसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। बार-बार पार्टनर से पूछना कि मुझे छोड़ोगे तो नहीं, बहुत इरीटेटिंग होता है।

रह सकता, इसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। बार-बार पार्टनर से पूछना कि मुझे छोड़ोगे तो नहीं, बहुत इरीटेटिंग होता है।

पार्टनर का काम है आपको खुश रखना

खुश रखने की जिम्मेदारी किसी एक के कंधों पर नहीं होनी चाहिए। अपने पार्टनर से ये उम्मीद रखना की वो आपको हमेशा खुश रखेगा गलत है।

ये कोशिश दोनों तरफ से होनी चाहिए। तभी रिश्ता अच्छे से आगे बढ़ पाएगा।

एक-दूसरे की जरूरतों, सिपुएशन को समझें, तो खुश रहने के लिए आपको अलग से किसी तरह का एफर्ट नहीं करना पड़ेगा।

पार्टनर आपकी हर बात से सहमत रहेगा हर व्यक्ति के विचार एक-दूसरे से अलग हो सकते हैं, तो इस बात की एक्सपेक्शन करना भी एकदम बेकार है कि पार्टनर आपकी हर बात में हां में हां मिलाएगा। इसके लिए पार्टनर पर प्रेशर डालने या गुस्सा होने की गलती तो बिल्कुल न करें क्योंकि सिर्फ लड़ाई-झगड़े ही बढ़ते हैं। बल्कि उनके विचारों की भी कद्र करें।

गुणों का भंडार है खट्टी-मीठी इमली, इन 5 तरीकों से करें इसे अपनी डाइट में शामिल



परिवहन विशेष न्यूज

शायद ही कोई ऐसा हो जिसने इमली का स्वाद नहीं चखा हो। खट्टी-मीठी इमली का नाम सुनते ही लोगों के मन में बचपन की यादें ताजा हो जाती हैं। हम सभी बचपन में इस इमली को चटकारे लेकर खाते थे वह हमारी सेहत के लिए भी काफी गुणकारी होती है। आइए जानते हैं इन डाइट में शामिल करने के 5 तरीके-

गुणों का भंडार है खट्टी-मीठी इमली, इन 5 तरीकों से करें इसे अपनी डाइट में शामिल इन पांच तरीकों से करें इमली को डाइट में शामिल

खट्टी-मीठी इमली का स्वाद हर किसी को भाता है। स्वाद में बेहतरीन होने के साथ ही यह सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

इसका लाभ उठाने के लिए आप इसे इन तरीकों से डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इमली का शरबत बढ़िया विकल्प है। खट्टा-मीठा और मसालेदार यह शरबत आपको स्वाद को बढ़ाकर आपकी सेहत को कई फायदे भी पहुंचाता है। अम्बाल (इमली आधारित सब्जी) आप इमली को सब्जी के रूप में अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इमली वाली इस सब्जी को अम्बाल के नाम से भी जाना जाता है। इसे कद्दू, इमली, गुड़ और कई मसालों के साथ मिलाकर बनाया जाता है। आप इसे इसे दाल-चावल, राजमा-चावल या रोटी-परांठे और पूरी के साथ खा सकते हैं।

यह भारतीय किचन में कई व्यंजनों को बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इतना ही नहीं यह सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। यह वजन घटाने के साथ ही पाचन बेहतर बनाने में भी काफी मददगार है। अगर आप भी इसके स्वाद और गुणों की वजह से इसे अपना डाइट का हिस्सा बनाना चाहते हैं, तो इन पांच तरीकों से इमली को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

इमली का शरबत

अगर आप इमली को अपनी डाइट में शामिल करना चाहते हैं, तो इमली का शरबत बढ़िया विकल्प है। खट्टा-मीठा और मसालेदार यह शरबत आपको स्वाद को बढ़ाकर आपकी सेहत को कई फायदे भी पहुंचाता है। अम्बाल (इमली आधारित सब्जी) आप इमली को सब्जी के रूप में अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इमली वाली इस सब्जी को अम्बाल के नाम से भी जाना जाता है। इसे कद्दू, इमली, गुड़ और कई मसालों के साथ मिलाकर बनाया जाता है। आप इसे इसे दाल-चावल, राजमा-चावल या रोटी-परांठे और पूरी के साथ खा सकते हैं।

इंजी पुली (इमली की चटनी) अमली को अपनी डाइट में शामिल करने का सबसे बढ़िया तरीका इसकी चटनी है। इमली की खट्टी-मीठी और तीखी चटनी आपके खाने का स्वाद दोगुना कर देती है। देश की अलग-अलग जगहों पर लोग इसे कई तरह से बनाकर खाते हैं। इमली के फायदे को हासिल करने के लिए आप इसकी चटनी को चावल या रोटी के साथ खा सकते हैं।

इमली को अपनी डाइट में शामिल करने का सबसे बढ़िया तरीका इसकी चटनी है। इमली की खट्टी-मीठी और तीखी चटनी आपके खाने का स्वाद दोगुना कर देती है। देश की अलग-अलग जगहों पर लोग इसे कई तरह से बनाकर खाते हैं। इमली के फायदे को हासिल करने के लिए आप इसकी चटनी को चावल या रोटी के साथ खा सकते हैं।

इमली वाले चावल

अगर आप कम मेहनत और समय में कुछ स्वादिष्ट मगर हेल्दी बनाना चाहते हैं, इमली वाले चावल (लैंगुलाफ़्लो) एक बढ़िया विकल्प है। यह बनाने में जितना आसान है, स्वाद में उतना ही लाजवाब है। साथ ही यह आपकी सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है।

सांबर (इमली आधारित दाल) आप इमली को सांबर के रूप में भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

अरहर दाल, इमली का गुला, सांबर मसाला, करी पत्ता और ढेर सारी सब्जियों से बनी यह डिश आपके खाने का स्वाद बढ़ाकर आपकी सेहत को बेहतर बनाती है। यह दक्षिण भारत का एक लोकप्रिय व्यंजन भी है।

त्वचा की चमक बढ़ाना चाहते हैं, तो चेहरे पर लगाएं चीनी से बने ये स्क्रब

परिवहन विशेष न्यूज

चेहरे को चमकदार बनाने के लिए अक्सर महिलाएं महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर आप ग्लोइंग स्किन चाहते हैं तो स्किन केयर रूटीन में स्क्रब जरूर शामिल करें। इससे चेहरा साफ होता है। ऐसे में आप घर पर ही नेचुरल स्क्रब बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए किचन में मौजूद कुछ चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

त्वचा की चमक बढ़ाना चाहते हैं, तो चेहरे पर लगाएं चीनी से बने ये स्क्रब, घर पर इन तरीकों से बनाएं चीनी का स्क्रब

स्किन को साफ करने के लिए स्क्रब करना काफी जरूरी है।



आप नेचुरल चीजों का इस्तेमाल कर घर पर ही स्क्रब बना सकते हैं। इसे चेहरे पर लगाते

सकते हैं। स्किन को साफ करने के लिए स्क्रब करना काफी जरूरी है। इससे डेड स्किन से राहत मिलती है। चेहरे पर स्क्रब करने के लिए महिलाएं महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। इनमें मौजूद केमिकल के कारण स्किन से जुड़ी कई समस्याएं भी हो सकती हैं। बेहतर है कि आप चेहरे पर नेचुरल चीजों से स्क्रब करें। चीनी का इस्तेमाल कर घर पर कई तरह के स्क्रब बना सकते हैं। इसे चेहरे पर लगाते

से आपकी स्किन साफ होगी।

नींबू और चीनी का स्क्रब

नींबू स्किन को साफ करने में मदद करता है। इसके इस्तेमाल से स्किन टैन की समस्या भी दूर होती है। स्क्रब बनाने के लिए एक छोटे बाउल में एक बड़ा चम्मच चीनी मिलाएं। इसमें नींबू का रस मिलाएं। इसमें थोड़ा-सा शहद मिलाएं। अब हल्के हाथों से चेहरे पर मसाज करें। कुछ देर बाद पानी से धो लें।

ग्रीन टी और चीनी का स्क्रब

ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होती है। इसे चेहरे पर लगाने से मुँहासों को कम करने में भी मदद मिलेगी। इससे स्क्रब बनाने के लिए एक छोटे बाउल में ग्रीन टी लें,

इसमें एक चम्मच चीनी मिलाएं। इस मिश्रण में जैतून का तेल डालें और इसे अच्छी तरह मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपने पूरे चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद धो लें।

हल्दी और चीनी

हल्दी के इस्तेमाल से डेडे स्किन से राहत पा सकते हैं। इससे स्क्रब बनाने के लिए एक छोटे बाउल में एक बड़ा चम्मच हल्दी पाउडर, एक चम्मच चीनी और एक चम्मच शहद मिलाएं। इसे अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें।

टमाटर और चीनी

टमाटर और चीनी का स्क्रब बनाना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए टमाटर के रस में चीनी मिलाएं, अब इससे पूरे चेहरे पर स्क्रब करें। कुछ देर बाद पानी से धो लें।

कम समय में जल्दी घटाना चाहते हैं वजन, तो ये Water Exercises होंगी मददगार

परिवहन विशेष न्यूज

इन दिनों कई लोग अपने बढ़े हुए वजन से परेशान हैं। ऐसे में अपने वजन को कम (Weight Loss) करने के लिए लोग कई उपाय अपनाते हैं। वॉटर एक्सरसाइज इन्हीं में से एक है जिसकी लोकप्रियता इन दिनों काफी बढ़ गई है। यह वजन कम करने का बेहद मजेदार और कारगर तरीका है। अगर आप भी वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं तो एक्सरसाइज जरूर ट्राई करें। कम समय में जल्दी घटाना चाहते हैं वजन, तो ये Water Exercises होंगी मददगार

वजन कम करने के लिए करें ये वॉटर एक्सरसाइज

इन दिनों लोग अपने बढ़ते वजन से काफी परेशान हैं।

ऐसे में वजन कंट्रोल करने के लिए लोग काफी मेहनत करते हैं।

अगर आप भी अपना वजन मेंटेन करना चाहते हैं, तो वॉटर एक्सरसाइज एक बढ़िया विकल्प है। सेहतमंद के लिए लोग अक्सर कई सारी चीजें अपनाते हैं। कुछ लोग जहां अपनी डाइट का खास ख्याल रखते हैं, तो वहीं कुछ एक्सरसाइज की मदद से खुद को हेल्दी रखते हैं। लोग अपनी पसंद और सुविधा के अनुसार एक्सरसाइज करने पसंद करते हैं। वॉटर एक्सरसाइज इन्हीं में से एक है, जो इन दिनों लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। वॉटर एक्सरसाइज के कई स्वास्थ्य लाभ हैं। इसीक मदद से आप अपनी कैलोरी जला सकते हैं, मांसपेशियों को मजबूत कर सकते हैं, तनाव कम कर सकते हैं और दिल को हेल्दी बना सकते हैं। वॉटर एक्सरसाइज आपकी हड्डियों और जोड़ों



पर तनाव को भी कम करता है, जिससे आपको में काफी मदद कर रहे हैं। हालांकि, आप पानी में अलावा इस व्यायाम को करने के अन्य भी कई फायदे हैं। ऐसे में आप वॉटर एक्सरसाइज की मदद से कई सारे फायदे हासिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसी ही 5 वॉटर एक्सरसाइज के बारे में-

पुश अप्स

आमतौर पर किए जाने वाले पुशअप्स बॉडी बनाने में काफी मदद करते हैं। हालांकि, आप पानी में पुश-अप वर्कआउट पर ज्यादा कैलोरी बर्न कर सकते हैं। इस एक्सरसाइज को करने के लिए, अपने हाथों को पूल के किनारे पर रखें और अपने शरीर के वजन को अपने ऊपरी शरीर पर ट्रांसफर करें। फिर अपने पैर की उंगलियों को पूल के फर्श से उठाएं और अपने पैरों, बांहों और हाथों को पूल से बाहर निकाल लें। वजन घटाने के लिए यह एक्सरसाइज बेहद कारगर है।

पानी में वॉकिंग या रनिंग

अगर आप पानी में वॉकिंग या रनिंग कर रहे हैं, तो यह सामान्य/नियमित चलने और जॉगिंग की तुलना में अधिक कैलोरी जलाने में मदद करता है। इसमें आपके जोड़ों और हड्डियों पर तनाव डाले बिना आपके जॉइंटिंग जैक करने के लिए आपको पूल में अपने सिर को पानी के ऊपर और अपने पैरों को एक साथ रखते हुए, हाथों को बगल में रखते हुए सीधे खड़ा होना है। अब जैसे ही आप अपनी बांहों को सीधे ऊपर की ओर उठाते हैं, अपने पैरों को दोनों तरफ उछालें। यह व्यायाम सामान्य मैदान पर होने वाली जॉइंटिंग जैक के ही समान है। यह व्यायाम आपकी कैलोरी जलाने में मदद करता है, हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और आपके जोड़ों पर तनाव कम करता है।

परिवहन विशेष न्यूज

शलजम पोषक तत्वों का खजाना है। इसमें विटामिन-ए बी सी ई कैल्शियम आयरन पोटैशियम और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जो आपको कई बीमारियों से बचाते हैं। सर्दियों में इस सब्जी को खाने से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है। आप इसे वेट लॉस डाइट में भी शामिल कर सकते हैं।

वजन से लेकर हाई बीपी कंट्रोल करने तक, सर्दियों में शलजम खाने के हैं गजब के फायदे जानें सर्दियों में शलजम खाने के कई फायदे हैं।

इसमें आयरन, कैल्शियम आदि तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं। शलजम हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद है। सर्दियों के मौसम में कई तरह की सर्जियां मिलती हैं। जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती हैं। इन्हीं में से एक है शलजम, जो मौसमी बीमारियों से बचाने में मददगार है। इसे खाने से शरीर में विटामिन-सी, विटामिन-के,



पोटैशियम आदि पोषक तत्वों की कमी दूर होती है। आप शलजम को अपनी डाइट में कई तरीकों से शामिल कर सकते हैं। चाहे तो आप इसे सलाद के रूप में खा सकते हैं, इसके अलावा शलजम का जूस भी पी सकते हैं। इसकी सब्जी भी काफी टेस्टी होती है। चलिए बिना देर किए जानते हैं, सर्दियों में शलजम खाने के क्या फायदे हैं।

हाई बीपी के मरीजों के लिए शलजम हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद है। इसमें नाइट्रेट पाया जाता है, जो सेहत को कई तरह से लाभ पहुंचाता है। यह हाई बीपी को सामान्य करने में मददगार है। शलजम रक्त में प्लेटलेट्स को एक साथ चिपकने से

भी रोकता है। आखों के लिए फायदेमंद

शलजम में एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होती है। इसमें मौजूद ल्यूटिन आंखों के लिए लाभदायक है। इसे खाने से आंखें स्वस्थ रहती हैं, इसके अलावा और मोतियाबिंद और मैक्यूलर डिजनरेशन जैसी समस्याओं से भी आपको छुटकारा मिल सकता है।

वजन कम करने में मददगार आप शलजम को वेट लॉस डाइट में भी शामिल कर सकते हैं। इसे खाने से मेटबॉलिज्म बूस्ट होता है, जिससे वजन कम होने में मदद मिलती है। इसमें मौजूद लिपिड शरीर में जमा फैट्स को कम

करता है। पाचन के लिए लाभदायक

शलजम फाइबर का समृद्ध स्रोत है। इसे खाने से पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं। यह मल त्याग को आसान बनाता है, जिससे आप कब्ज से छुटकारा पा सकते हैं। इसे खाने से पेट भी लंबे समय तक भरा रहता है। हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है

शलजम में विटामिन-के पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। यह हृदय स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक माना जाता है। इसे खाने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर भी बढ़ता है। गर्भवती महिलाओं के लिए गुणकारी

शलजम विटामिन बी9 का समृद्ध स्रोत है। जो गर्भवती महिलाओं के लिए आवश्यक है। यह मां और गर्भ में पल रहे शिशु के लिए काफी लाभदायक है। अगर आप मां बनने वाली हैं, तो अपनी डाइट में शलजम जरूर शामिल करें।



डीजल से चलने वाली नावों के धुएं से काले हो रहे काशी के घाट, दीवारों पर जमा हो रहा है कार्बन

● इसके मुताबिक कार्बन की परत जमा होने से घाटों पर बने धब्बे के कारण इसकी एकरूपता समाप्त हो रही है। साथ ही घाटों के मूल रंगरूप को बचाते हुए इस कालिख को हटाना मुश्किल हो रहा है।

परिवहन विशेष न्यूज वाराणसी

अपनी खूबसूरती से सैलानियों को रझाने वाले अर्धचंद्राकार घाटों की खूबसूरती पर कार्बन की परत कालिख पोत रही है। वह है गंगा में दौड़ रही डीजल इंजन नावों का धुआं। यह खुलासा पर्यावरण विशेषज्ञों की टीम ने शोध के बाद प्रशासन को सीपी रिपोर्ट में किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दशारथमेध, शीलना, चेतसिंह किला घाट सहित 12 से ज्यादा घाटों की दीवारों पर सैकड़ों काले धब्बे (ब्लैक सर्किल) लग रहे हैं। साथ ही यहां



आने वाले सैलानियों को सेहत भी धुएं की वजह से खराब हो रही है। इन नावों से लीकेज के बाद निकलने वाला ईंधन गंगा की सतह पर तैर रहा है।

इससे गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं और जलीय जीवों के जीवन पर भी संकट उत्पन्न हो रहा है।

दरअसल, देव दीपावली से पहले प्रशासन ने गंगा में जल परिवहन की संभावनाओं पर विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों की रिपोर्ट तैयार कराई थी।

प्रशासन को मिली रिपोर्ट में अस्सी से नमो घाट तक कई जगहों पर सतह पर डीजल की सतह भी बनी हुई मिली है।

जिन जगहों पर ऑयल स्पील बन रहा है, उन क्षेत्रों में रहने वाले जलीय जीवों तक ऑक्सीजन की पर्याप्त मात्रा भी नहीं पहुंच पाएगी।

31 दिसंबर के बाद पूरी तरह से बंद किए जाएंगे डीजल इंजन

रिपोर्ट सामने आने के बाद 31 दिसंबर के बाद प्रशासन गंगा से डीजल इंजन वाली नावों को हटाएगा।

कई नावों में सीएनजी इंजन लगाए गए, मगर उन्होंने डीजल इंजन जमा करने की बजाय ग्रामीण क्षेत्रों की नाव में इसका उपयोग शुरू कर दिया है।

गेल इंडिया की ओर से 31 दिसंबर तक ही निशुल्क सीएनजी इंजन नावों में लगाए जाएंगे।

गेल इंडिया की प्रशासन ने राजेंद्र प्रसाद घाट पर जगह मुहैया करा दी है और यहां सीएनजी इंजन का वकईर्राप संचालित होगा।

संक्षिप्त खबरें

निबंधन कार्यालय कपहरी परिसर में आने पर अधिवक्ताओं ने जताई खुशी, खिलाई एक दूसरे को मिठाई

गाजीपुर |सिविल बार संघ गाजीपुर के सभागार में को धन्यवाद एवं जनपद न्यायाधीश को आभार देने के लिए मिटिंग की गयी जिसमें सेन्ट्रल बार संघ के अध्यक्ष व महासचिव अपने साथियों के साथ आये संघर्ष समिति के अध्यक्ष सरेश सिंह सेन्ट्रल बार के अध्यक्ष विजय बहादुर सिंह एवं महासचिव राजेश श्रीवास्तव पूर्व अध्यक्ष धीरेन्द्र नाथ सिंह वर्तमान अध्यक्ष सुधाकर राय व महासचिव रतन श्री श्रीवास्तव का माल्यार्पण कर स्वागत व बधाई दी गयी व अधिवक्ता एक्ता जिन्दबाद के नारे लगा कर व मिठाईया खिलाकर जिलया दिवस के रूप में मनाया गया।चन्द्रबली राय, सत्यन्क श्रीवास्तव, प्रदीप देव सिंह, अशोक भारती ने भाष्यमें अधिवक्ता एकता की बात कही।सेन्ट्रल बार के अध्यक्ष ने कंधे से संका मिलकर चलने की बात कही।इस प्रकार अधिवक्ताओं के बीच खुशी की लहर थी।

प्रचलन अधिनियम वाद, कराधान प्रकरण, बिजली चोरी के वाद, सुलह समझौता एवं मध्यस्थता के माध्यम से वैवाहिक विवाद को परिपक्व कराकर आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में पूर्व की तुलना में ज्यादा से ज्यादा वादों का निस्तारण कर, आमजन को लाभान्वित करते हुए, राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है।
भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने माल्यार्पण कर दी पुष्पांजलि

गाजीपुर |आज दिनांक 6 दिसंबर 2023 को देश के संविधान निमाता, प्रथम कानून मंत्री बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय गाजीपुर में, पुलिस अधीक्षक आनंदवीर सिंह द्वारा बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि की गई तथा देश के लिए उनके योगदान को याद किया गया।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर/ग्रामीण, क्षेत्राधिकार नगर तथा अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी माल्यार्पण कर पुष्पांजलि की गई।

गुटखा कंपनी के चालक और सेल्समैन पर फायरिंग कर साढ़े सात लाख की डकैती का प्रयास, छह बदमाशों ने किया हमला

परिवहन विशेष न्यूज वाराणसी

वाराणसी के लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र के गोइठहा में मंगलवार की भोर में दो बाइक सवार छह बदमाशों ने गुटखा कंपनी के चालक पर फायरिंग कर साढ़े सात लाख नकदी और डकैती का प्रयास किया। इस दौरान गोली से गाड़ी का बोनट धंस गया। पीछे बाइक से आ रहे सेल्समैन पर भी बदमाशों ने फायरिंग की। इसके बाद सभी बदमाश चोलापुर रोड की ओर भाग निकले। गुटखा कारोबारी को तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रयास के प्रयास और डकैती का मुकदमा दर्ज किया गया। उधर, पुलिस ने इस मामले में दो सदियों को हिरासत में लिया है। गोइठहां स्थित गुटखा कंपनी में मालवाहक चालक बड़ागवाय थाना क्षेत्र के रामपुर बरौनी निवासी राजकुमार और सेल्समैन सारागथ थाना क्षेत्र के लेहपुर निवासी प्यारेलाल है, जो कि भोर में सवा चार बजे मालवाहक डीसीएम और बिक्री का साढ़े 35 लाख रुपये लेकर गोइठहां स्थित कंपनी पर पहुंचे और डीसीएम को खड़ी करके दूसरी डीसीएम गाड़ी और नकदी लेकर कंपनी के कार्यालय प्रेमचंद्र नगर के लिए निकले। कंपनी से जैसे ही 500 मीटर दूर पहुंचे थे कि नकाबपोश दो बाइक पर सवार छह बदमाशों ने चालक को गाड़ी रोकने का इशारा किया, चालक ने किसी अनहोनी की आशंका होने पर गाड़ी लेकर आगे बढ़ गया, इस बीच एक बदमाश ने ड्राइवर को लुटने व जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। गोली गाड़ी के बोनट पर



जा लगी। इस बीच चालक ने गाड़ी को तेजी से लालपुर पुलिस चौकी पर लेकर भाग आया। ड्राइवर के साथ कंपनी का सेल्समैन प्यारेलाल अपनी बाइक से वाहन के पीछे आ रहा था और गोली की आवाज सुनने पर पहुंचा तो अपराधियों ने उस पर भी फायरिंग की। इस बीच प्यारेलाल वापस कंपनी की तरफ भाग गया और अपनी जान बचाई। पुलिस को दिये तहरीर में पांडेयपुर के प्रेमचंद्र नगर कालोनी निवासी शशिकांत पांडेय के अनुसार उनकी प्राइवेट फर्म है, जिसका कारखाना और गोदाम गोइठहा लालपुर में है। वहां से कंपनी का माल तैयार होकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में विक्रय के लिए जाता है। वहां से छोटे-छोटे दुकानदारों से विकृत माल से प्राप्त नकदी लेकर ड्राइवर व सेल्समैन घर स्थित कार्यालय पर आते हैं, यह कार्य हफ्ते में एक या दो बार होता है। तहरीर के आधार पर लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। लालपुर-पांडेयपुर थाना प्रभारी मोनोज कुमार ने बताया कि घटनास्थल के आसपास सीसी कैमरों को खंगाला जा रहा है।हत्या के प्रयास और डकैती का मुकदमा दर्ज किया गया है।



प्रभावित इलाकों में हो सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बारिश, गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। पश्चिमी यूपी में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। सात दिसंबर के बाद मौसम शुष्क रहेगा। 11 दिसंबर को फिर बरलेगा मौसम मौसम विभाग के मुताबिक, सात दिसंबर से 10 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन फिर 11

दिसंबर से एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम बदलेगा। सामान्य रहा मौसम, कोई बड़ा बदलाव नहीं मंगलवार को मौसम प्रदेश में सामान्य रहा। एक या दो स्थानों पर मध्यम व हल्का कोहरा छाया रहा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी कहीं-कहीं हल्का कोहरा रहा। अधिकतम तापमान वाराणसी में 30 डिग्री रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस बरेली में दर्ज किया गया।

पुलिस से मुठभेड़ में चार बदमाशों को लगी गोली, पुलिस ने सभी शातियों को किया गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज चंदौली

चकिया, नौगढ़ और चकरघट्टा पुलिस की संयुक्त टीम और चार शातिर बदमाशों के बीच बुधवार को नौगढ़ के जलेबिया मोड़ के पास मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में चार बदमाशों को गोली लगी है। एक बदमाश के हाथ और पैर में और बाकि तीन बदमाशों के पैर में गोली लगी है। ये चारा तीन दिसंबर को नौगढ़ में हुई बोलरो लूट की घटना में शामिल थे। बदमाशों पर हत्या, हत्या का प्रयास ,गैंगस्टर, लूट, डकैती,रंगदारी मांगना, मारपीट,मादक पदार्थों की तस्करी और आर्म्स एक्ट जैसे जघन्य अपराध के कई मुकदमे दर्ज हैं। एसपी डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि बुधवार की भोर में



औरवाटाड मोड़ पर नौगढ़ पुलिस वाहन चेकिंग कर रहे थी कि मुखबीर ने बताया कि दिलबगरा पहाड़ी पर कुछ अपराधियों द्वारा एक बोलरो वाहन खड़ा करके लूट की घटना को अंजाम देने के लिए दो व्यक्ति नीचे उतर कर रैकी कर रहे हैं व कुछ बदमाश गाडी के आंदर बैठे हैं। पुलिस पहुंची तो नीचे खड़े बदमाशों द्वारा पुलिस वालों के ऊपर फायरिंग की गई, पुलिस

वाले आत्म सुरक्षार्थ बदमाशों के ऊपर बचते बचाते हुए कार्रवाई की गई। तब तक बोलरो वाहन में बैठे बदमाश बोलरो वाहन को लेकर चकिया की तरफ भागने लगे। पुलिस सुबह तलाश की तो बदमाश झाड़ियों में पड़े थे उनके पैर और हाथ में गोली लगी थी।

उनकी पहचान सोनू सिंह, ग्राम चांद कमरिया थाना खौरा जनपद प्रयागराज और फागू साहनी ग्राम

09 दिसंबर 2023 को किया जाएगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

गाजीपुर | उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ से प्राप्त निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 09.12.2023 को जनपद न्यायालय, गाजीपुर, वाद्या न्यायालय सैदपुर एवं मुहम्मदाबाद व ग्राम न्यायालय जखनौरी के साथ-साथ अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों में किया जाएगा। विजय कुमार-प्ट, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर के द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व की भांति माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निर्देशित प्रकरण यथा उत्तराधिकांर प्रमाण पर संबंधी, छोटे व लघु दाण्डिक वाद, पारिवारिक वाद, धारा-138 एन.आई.एक्ट, स्टाम्प वाद/पंजीयन वाद, मोटर अधिनियम वाद, चक्रबंदी वाद, श्रम वाद, उपभोक्ता फोरम वाद, वाद-माप प्रचलन अधिनियम वाद, कराधान प्रकरण, बिजली चोरी के वाद, सुलह समझौता एवं मध्यस्थता के माध्यम से वैवाहिक विवाद को परिपक्व कराकर आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में पूर्व की तुलना में ज्यादा से ज्यादा वादों का निस्तारण कर, आमजन को लाभान्वित करते हुए, राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है।

गोइठहा निवासी श्यामबिहारी मिश्रा की बदमाशों ने छोटी दिवाली 12 नवंबर 2020 को लूट की नियत से गुटखा फैक्ट्री के पास ही गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस दौरान शोले से बिक्री का 20 हजार नकदी और अन्य सामान लूट लिया था।

दुराचार का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

गाजीपुर | पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों

व वांछित अभि0गण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर

एव क्षेत्राधिकारी भुइँकुडा गाजीपुर के कुशल पर्यवेक्षण में मुझ थानाध्यक्ष के देखरेख में मुखबि

खास की सूचना पर उ0नि0 हरिश्चन्द्र वर्मा मय हमराह म0का0 अशू सिंह , का0 नीरज कुमार के द्वारा मु0अ0सं0 256/2023 धारा 363/366/376(3) भादवि व 5(छ)/6 पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त सतीश उर्फ त्रिभुवन बिन्द पुत्र जवाहिर बिन्द निवासी ग्राम जलालपुर थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर को दिनांक 05.12.2023 को समय 14.10 बजे दुर्गा चौक पास से गिरफ्तार कर चालान मा0 न्यायालय किया जा रहा है।

महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर जिला अधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में पुष्पांजलि सभा का किया गया आयोजन

●जिलाधिकारी ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुये उनके जीवन संघर्षों को याद किया तथा उनके शिक्षा, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, न्यायायिक योगदान पर चर्चा की।

परिवहन विशेष न्यूज गाजीपुर

भारत रत्न बाबा साहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर के 67वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर बाबा साहेब को स्मरण करते हुए उनको श्रद्धांजलि दिये जाने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया। जलाधिकारी आर्यका अखौरी, अपर जिलाधिकारी

आदेश बेअसर, साप्ताहिक बंदी के दिन भी खुल रहे बाजार

●व्यापारी इस सप्ताहिक बंदी पर भी दुकान खोल रहे हैं कस्बे में बुधवार को साप्ताहिक बंदी का दिन प्रशासन द्वारा तय है

परिवहन विशेष न्यूज कांधला

श्रम विभाग की लापरवाही के कारण सप्ताहिक बंदी बनी मजगक

कांधला..डीएम के सख्त निर्देशों के बावजूद भी कांधला कस्बे में साप्ताहिक बंदी मजगक बनकर रह गई है। श्रम विभाग की लापरवाही के चलते व्यापारियों ने अपनी दुकानें खोल रखी हैं।कस्बे में बुधवार के दिन साप्ताहिक बंदी का अवकाश घोषित किया हुआ है। डीएम ने साप्ताहिक बंदी का सख्ती के साथ पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हुए हैं,लेकिन निर्देशों का खुला उल्लंघन करते हुए कुछ व्यापारी अपने प्रतिष्ठान बुधवार को साप्ताहिक बंदी के दिन भी खोले हुए हैं।व्यापारियों को कानून का जरा भी खोफ नहीं है बेरोकटोक ग्राहकों को सामान दिया जा रहा है। श्रम विभाग के अधिकारियों का दूर तक भी कोई पता नहीं है। ऐसे



में कार्रवाई करे तो आखिर कौन सप्ताहिक बंदी पर श्रम विभाग गंभीर नजर नहीं आ रहा है जिससे कस्बे मे साप्ताहिक बंदे का खुला उल्लंघन किया जा रहा है व्यापारी इस सप्ताहिक बंदी पर भी दुकान खोल रहे हैं कस्बे में बुधवार को साप्ताहिक बंदी का दिन प्रशासन द्वारा तय है

लेकिन यहां के सैकड़ो दुकानदार दूसरे दुकानदार की देखा रिकी में अपनी अपनी दुकानों को खोलकर साप्ताहिक बंदी का मजगक बना रहे हैं वहीं बिना किसी डर के अपना कारोबार करते नजर आए बुधवार का दिन साप्ताहिक बंदी के लिए घोषित है इस दिन

साप्ताहिक बंदी घोषित की गई थी अधिकारियों ने दुकान खोलने वाले दुकानदारों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए

चालान भी काट डाले थे दुकानदारों में प्रशासन का खोफ पैदा हो गया था मगर कुछ महीने बचने के बाद यहां शक्ति नरम होती चली गई इसके चलते दुकानदारों के मन में भी प्रशासन का हो खत्म हो गया अब साप्ताहिक बंदी के दिन कस्बे के बाजार गुलजार रहते हैं जब उसे अधिकारियों का ज्यादा दबाव पड़ता है तो अधिकारी नींद से जागते हैं और बाजारों में घूम कर एक हाथ दुकानदार का चालान काट देते हैं



वि0/रा0 अरूण कुमार सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी व कलेक्ट्रेट परिवार के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने भारत रत्न बाबा साहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर के छवि चित्र पर पुष्पांजलि तथा फूल माला चढाकर नमन किया। जिलाधिकारी ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुये उनके जीवन संघर्षों को याद किया तथा उनके शिक्षा, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक,

न्यायायिक योगदान पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत रत्न बाबा साहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर का 67वां परिनिर्वाण दिवस है। बाबा साहेब के संघर्ष ने लाखों लोगों में आशा का संचार किया और उनके प्रयासों ने भारत को ऐसा व्यापक संविधान प्रदान किया जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकता। यह दिवस हम सबको उनसे द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों एवं मूल्यों पर

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस माल्यार्पण कर मनाया गया

● एकता और अखंडता के बंधन में बांधने का काम किया जो सामाजिक समरसता बनी रहे हर समाज के लोगों को बाबा साहेब के बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिए

परिवहन विशेष न्यूज गाजीपुर

गाजीपुर। बोधीसत्व बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर आज जिलाधिकारी कार्यालय कचहरी के पास बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष एडवोकेट मनोज कुमार गौतम ने कहा कि बाबा साहेब एक



निम्न जाति में पैदा होकर भी इतनी बड़ी विद्वता हासिल की भारत को विश्व का एक सबसे बड़ा संविधान दिया और विश्व के विद्वानों की कड़ी में बाबा साहेब एक थे बाबा साहेब ने कहा था कि शिक्षित बनो संगठित बनो संघर्ष करो बाबा साहेब हर समाज के लोगों को एकता और अखंडता के बंधन में बांधने का काम किया जो सामाजिक समरसता बनी रहे हर समाज के लोगों को बाबा साहेब के बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिए और

उनका अनुसरण करना चाहिए तभी समाज और देश का भला हो सकता है वक्ताओं की कड़ी में भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष एडवोकेट मनोज कुमार गौतम, महासचिव भीम आर्मी वाराणसी मंडल संतोष कुमार, प्रेमचंद्र गौतम तहसील संयोजक कासिमाबाद, शेषनाथ जिला कार्यकारी गाजीपुर, रामचंद्र राम, विनोद पाल, श्रीराम, नंदलाल बिन्द, नंदकिशोर भारती पूर्व सेक्टर अध्यक्ष बसपा, राजेश कुमार बिंद आदि लोग मौजूद रहे।

12 साल में सबसे गर्म है इस बार का दिसंबर, सामान्य से तीन डिग्री अधिक है तापमान

● इस साल नवंबर के अंतिम सप्ताह में एक बार ऐसा अहसास हुआ कि सर्दी बस शुरू ही होने वाली है, लेकिन दिसंबर की शुरुआत से ही तापमान 30 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

परिवहन विशेष न्यूज गोरखपुर

जलवायु परिवर्तन का असर पूर्वांचल पर अधिक दिख रहा है। मौसम विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो दिसंबर में अधिकतम तापमान भले ही 25 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहे, लेकिन न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम हो जाता है, जिससे लोगों को तेज सर्दी का अहसास होता है। जबकि इस बार न्यूनतम तापमान भी 15 डिग्री के आसपास बना हुआ है जो सामान्य से करीब चार डिग्री अधिक है। गोरखपुर-बस्ती मंडल में नदियों की अधिकता व हिमालय से नजदीकी के चलते नमी अधिक रहती है। इसके चलते नवंबर में ही सर्दी का अहसास होने लगता है। दिसंबर के पहले सप्ताह में दिन में भी लोग स्वेटर और जैकेट पहने दिखते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों



से सर्दी की शुरुआत देर से हो रही है।

इस साल नवंबर के अंतिम सप्ताह में एक बार ऐसा अहसास हुआ कि सर्दी बस शुरू ही होने वाली है, लेकिन दिसंबर की शुरुआत से ही तापमान 30 डिग्री के आसपास बना हुआ है। जबकि इस इलाके में इस वक्त अधिकतम तापमान औसतन 27 डिग्री सेल्सियस ही होता है।

इसी तरह न्यूनतम तापमान भी 15 डिग्री से अधिक है जबकि यह हमेशा 11 से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहता है। मंगलवार को भी दिन का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा था, वहीं न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस बना रहा।

मौसम विज्ञानी श्रुति वी सिंह कहती हैं कि ऐसा कम बारिश के चलते हो रहा है। नमी कम होने के कारण गर्मी अधिक महसूस हो रही है। इस बार भी 12 दिसंबर के बाद जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे आएगा तब गर्मी का एहसास कम होना शुरू हो जाएगा।

● वर्ष 2011 में दिसंबर में अधिकतम तापमान 29.3 डिग्री सेल्सियस था, लेकिन न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस तक चला गया था। वर्ष 2012 में 2807.2, वर्ष 2013 में 26.9 और 2015 में 29.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

● वर्ष 2017 में दिन के सापेक्ष रात भी गर्म रही, लेकिन दिन का तापमान अधिकतम दिन 28.4 डिग्री सेल्सियस था, वहीं न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

● वर्ष 2019 में भी न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मतलब दिन में थोड़ी गर्मी जरूर रही, लेकिन रात काफी सर्द थी। जबकि इस बार दिन की तरह ही रात में भी गर्मी का असर बना हुआ है।

खुद को सर्दी से बचाने के लिए रहें तैयार

जनरल फिजिशियन डॉ. राजेश कुमार का कहना है कि ऐसा मौसम और अधिक खतरनाक है। इस मौसम में बाहर से घर लौटने के बाद ठंडा पानी पीने पर गले में संक्रमण का खतरा अधिक होता है। गर्मी-सर्दी के चलते सीने में जकड़न, बुखार, शरीर दर्द आदि की समस्या आती है।

दिन में धूप और रात में सर्दी के चलते अक्सर ही लोग बीमार होते हैं। इसलिए खुद को सर्दी से बचाने के लिए तैयार रहें।



संक्षिप्त खबरें

दिल्ली पुलिस के केन्द्रीयकृत मालखाने में चोरी करते तीन दबोचे, आठ बैटरियां बरामद

दिल्ली-एनसीआर गनीमत रही कि तोड़ फोड़ की आवाज सुनकर गश्त कर रहे पुलिसकर्मों वहां पहुंचे और तीन बदमाशों को रंगे हाथ दबोच लिया।बदमाशों ने द्वारका सेक्टर 9 स्थित पुलिस के केन्द्रीयकृत मालखाने में ही संघ लगा दी।गनीमत रही कि तोड़ फोड़ की आवाज सुनकर गश्त कर रहे पुलिसकर्मों वहां पहुंचे और तीन बदमाशों को रंगे हाथ दबोच लिया।बदमाश मालखाने में जमा बाइकों की बैटरियां चोरी करने का प्रयास कर रहे थे।पुलिस ने इनके कब्जे से आठ बैटरियां बरामद की हैं।आरोपियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया गया है।बदमाशों की पहचान बागडोला गांव निवासी चंदन, अकबर और नरेश के रूप में हुई है।द्वारका सेक्टर 9 में दिल्ली पुलिस का केन्द्रीयकृत मालखाना है।एक दिसंबर की शाम पुलिस को मालखाने में चोरी होने की शिकायत मिली।मौके पर पहुंची पुलिस को वहां तैनात एसआई संजय कुमार मिले।उन्होंने तीन बदमाशों को पुलिसकर्मों के हवाले किया।उन्होंने बताया कि शाम चार बजे वह मालखाने में गश्त कर रहे थे।अंदर की तरफ से तोड़फोड़ की आवाज आ रही थी।वहां पहुंचने पर उन्होंने देखा कि तीन बदमाश मालखाने में जमा बाइक से बैटरी निकाल रहे थे।

पुराने नगर निगम कार्यालय के आगे से नहीं उठ रहा कूड़ा

गुरुग्राम।नगर निगम गुरुग्राम द्वारा 52 टीमों को लगाकर शहर में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है।विशेष सफाई अभियान के तहत संयुक्त आयुक्त सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचकर कूड़े-कचरे को उठवा रहे हैं।पुराने नगर निगम कार्यालय के आगे पड़े कूड़े को उठवाने के लिए निगम के अधिकारी कोई कदम नहीं उठा रहे।माना जा रहा है कि पुराने नगर निगम कार्यालय में हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों की वजह से नगर निगम अधिकारी यहां आने का साहस नहीं कर पा रहे।पिछले 56 दिनों से सफाई कर्मचारियों की हड़ताल जारी है।पहले दिने से ही पुराने नगर निगम कार्यालय के आगे और अपना बाजार इमारत के सामने कूड़ा नहीं उठाया गया है।नगर निगम के संयुक्त आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में सदर बाजार व रोशनपुरा से कई बार कूड़ा-कचरा उठवाया गया है, लेकिन नगर निगम कार्यालय व अपना बाजार के सामने कूड़े के ढेर लगे हुए हैं।लोग भी अपने घरों का कूड़ा इन्हीं दोनों जगहों पर डाल रहे हैं।यहां पड़े कूड़े के बारे में नगर निगम के अधिकारियों से बात की जाती है तो वे सिर्फ इतना ही कह पाते हैं कि जल्द ही सफाई कराई जाएगी।

नगर निगम की ओर से चलाए गए विशेष सफाई अभियान के मंगलवार को चार दिन बीत चुके हैं।अब देखना है कि नगर निगम पुराने कार्यालय, अपना बाजार के सामने सहित रोशनपुरा क्षेत्र में बाकी बचे तीन दिनों में से कौन से दिन कूड़ा उठता है या फिर विशेष सफाई अभियान के तहत अधिकारी व सफाई करने वाली टीम के कर्मचारी यहां पहुंच पाते हैं या नहीं।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर दो लाख की ठगी

सोहना।साइबर ठगो ने शेयर मार्केट में निवेश कराने के नाम पर एक युवक ने दो लाख 20 हजार रुपये की ठगी की है।साइब जेन की साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ आईटी एक्ट व धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।पुलिस के अनुसार सोहना निवासी एक युवक से साइबर ठगों ने शेयर मार्केट में निवेश कराने के नाम पर दो लाख 20 हजार रुपये ठग लिए।जब पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो धोखाधड़ी का पता चला।सोहना के टाकुरवाड़ा निवासी लीलाधर ने साइबर पुलिस को बताया कि उनके पास अप्रैल में व्हाट्सएप पर मैसेज आया।इसके बाद उन्होंने ठगों के कहे अनुसार कई बार में सवा दो लाख रुपये निवेश कर दिए।थोड़े दिनों बाद उन्होंने उसमें से कुछ रुपये निकाल लिए।जब उन्होंने अगली निकासी करनी चाही तो रुपये नहीं मिले

पिस्टल शूटिंग खिलाड़ी इशान यादव को किया सम्मानित

गुरुग्राम।राष्ट्रीय स्तर के पिस्टल शूटिंग खिलाड़ी इशान यादव को पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा के प्रमुख नवीन गोयल ने मंगलवार को सम्मानित किया।इशान स्काई सेक्टर-5 में पढ़ रहे अणुनायक का 25 मीटर पिस्टल शूटिंग में राष्ट्रीय स्तर की फीमिनवाइप के लिए चयन हुआ है।इशान को पौधा भेंटकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।साथ ही पर्यावरण के प्रति सकरात्मक कार्य करने का भी आह्वान किया।नवीन गोयल ने इशान के पिता सदीप यादव, माता माधवी यादव, दादी उर्मिला यादव, दादा सुभाष चंद्र यादव, बहन इशिका यादव, प्रशिक्षक दिनेश कुमार यादव सहित परिवार के अन्य सदस्यों को इशान की इस सफलता के लिए

बगैर जियो टैगिंग संपत्ति कर में छूट नहीं, अभी 31 जनवरी तक है मोहलत

● निगम ने सभी संपत्ति मालिकों से अपील की है कि वे अपनी संपत्ति की जियो-टैगिंग की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करें।

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर निगम ने हर तरह की संपत्तियों की जियो टैगिंग को अनिवार्य कर दिया है।ऐसे लोग जिन्होंने 31 जनवरी तक अपनी संपत्तियों को जियो टैग नहीं कराया तो 30 जून तक अगले वित्तीय वर्ष 2024-25 में उन्हें कर के एकमुश्त अग्रिम भुगतान पर 10 फीसदी की मिलने वाली छूट का लाभ नहीं मिलेगा।संपत्ति कर में अब तभी छूट मिलेगी जब जियो टैगिंग होगी।निगम ने हर तरह की संपत्तियों की जियो टैगिंग को अनिवार्य कर दिया है।ऐसे लोग जिन्होंने 31 जनवरी तक अपनी संपत्तियों को जियो टैग नहीं कराया तो 30 जून तक अगले वित्तीय वर्ष 2024-25 में उन्हें कर के एकमुश्त अग्रिम भुगतान पर 10 फीसदी की मिलने वाली छूट का



लाभ नहीं मिलेगा।निगम ने सभी संपत्ति मालिकों से अपील की है कि वे अपनी संपत्ति की जियो-टैगिंग की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करें। गैर आवासीय संपत्तियों का निगम अधिकारी खुद जाकर जियो टैगिंग कर रहे हैं।लेकिन करदाताओं की सबसे अधिक जिम्मेदारी है कि उनकी संपत्ति की जियो टैगिंग हो जाए।यदि किसी संपत्ति को एमसीडी अधिकारियों द्वारा पहले ही जियो टैग किया गया है, तो उसे दोबारा जियो टैग करने की जरूरत नहीं है।दिल्ली

नगर निगम ने साफ किया है कि वे सभी संपत्ति मालिक जो एमसीडी के संपत्ति कर पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें अपनी संपत्तियों को पंजीकृत कराना होगा, यूपीआईसी जनरेट करना होगा और इसके बाद अपनी संपत्तियों को जियो टैग करना होगा।यदि संपत्ति मालिक 31 जनवरी तक अपनी संपत्तियों को पंजीकृत करने में विफल रहते हैं तो दिल्ली नगर निगम कर वसूली के लिए कानूनी उपाय करेगा और ऐसे बकायेदारों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज करवाएगा।

स्पा सेंटर में चल रहे देह व्यापार

का भंडाफोड़, आठ हिरासत में

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। डीएलएफ फेज-1 में पुलिस ने स्पा सेंटर की आड़ में अवैध रूप से चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है।पुलिस ने मौके से आठ लोगों को हिरासत में लिया।इसमें पांच को पूछताछ के बाद छोड़ दिया है।वहीं, तीन को मामले की जांच में शामिल किया है।एसीपी अपराध के अनुसार पुलिस को कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि डीएलएफ कुतुब प्लाजा मार्केट में बने दो स्पा सेंटर यूनिट स्पा और लोटस स्पा सेंटर में अनैतिक कार्य हो रहे हैं।इस पर टीम मौके पर पहुंची और बोगस ग्राहक बनाकर एक पुलिसकर्मों को भेजा गया।यहां उसने जब मामले की पड़ताल की तो सूचना सही पाई गई, जिसके बाद टीम को इशारा कर दिया गया इस पर टीम ने मौके पर पहुंचकर वहां मौजूद



स्पा सेंटर संचालक, मैनेजर, सहित ग्राहकों को काबू किया।पूछताछ के दौरान सामने आया कि चक्करपुर के रहने वाले मेहर मिस्त्री उर्फ प्रीतम और सुजीत द्वारा यह स्पा सेंटर चलाए जा रहे थे।यहां से एक महिला को भी काबू किया गया है।इन्के खिलाफ इम्पौरल ट्रैफिकिंग एक्ट 1956 मामले में एसीपी अपराध वरुण दहिया का कहना है कि मामले की जांच के दौरान और भी

आरोपियों के शामिल होने की संभावना है।फिलहाल तीन आरोपियों को जांच में शामिल किया गया है।मौके से पकड़े गए पांच आरोपियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है।इन सभी की जानकारी पुलिस ने अपने पास सुरक्षित कर ली है।जांच के दौरान इनसे एक बार फिर पूछताछ की जाएगी।पूछताछ में तथ्य सामने आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सफाई अभियान के चौथे दिन 12

टन कचरा उठवाकर पहुंचाया बंधवाड़ी

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम।नगर निगम गुरुग्राम की ओर से चलाए जा रहे सात दिवसीय विशेष सफाई अभियान के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से कचरा, मलबा व हार्टिकल्चर वेस्ट का उठान करने सहित सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है।विशेष स्वच्छता अभियान के चौथे दिन निगम क्षेत्र से लगभग 12 टन कचरे को उठाकर बंधवाड़ी पहुंचाया गया है।52 टीमें पर्याप्त मैनागवर, मशीनरी व सफाई संसाधनों सहित व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुटी हुई हैं।अभियान के तहत चार दिन में लगभग 4200 टन कचरे का उठान सुनिश्चित किया गया है।अधिकारियों की माने तो अगले 2-3 दिन में सफाई व्यवस्था को पूरी तरह से दुरुस्त कर लिया जाएगा।एक ओर



जहां टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों व खेतों से कचरा उठाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर सीएंडडी वेस्ट और हॉर्टिकल्चर वेस्ट का उठान भी सुनिश्चित किया जा रहा है।विशेष स्वच्छता अभियान के तहत मंगलवार को रेलवे स्टेशन से सेक्टर-4 चौक, सेक्टर-5 थाना रोड, प्रकाशपुरी चौक से पालम विहार रोड,

हनुमान मंदिर डूंडाहेड़ा से एटलस चौक, उमंग भारद्वाज चौक से बसई चौक, सेक्टर-56 मार्केट, सिलोखरा गांव सहित अन्य क्षेत्रों की सफाई की गई।इसके साथ ही कार्टरपुरी, खाडसा, घेम्पुरी, वाटिका चौक, सेक्टर-5, सेक्टर-15, आईटीआई के पास, अतुल कटारिया चौक, शनि

पीयूसी सर्टिफिकेट है या नहीं... पंप पर पकड़ लेगी

ह्यतीसरी आंखरूह, पायलट प्रोजेक्ट कामयाब

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर चार पेट्रोल पंप के पायलट प्रोजेक्ट की कामयाबी के बाद परिवहन विभाग इसका दायरा बढ़ाने जा रहा है।वाहनों में ईंधन भरने के साथ दिल्ली के पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे अब पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (पीयूसी) प्रमाणपत्र पर भी नजर रखेंगे।चार पेट्रोल पंप के पायलट प्रोजेक्ट की कामयाबी के बाद परिवहन विभाग इसका दायरा बढ़ाने जा रहा है।अभी 25 पेट्रोल पंप पर पहले फेज के तहत इन्हें लगाया जाएगा।आगे सभी को इसके दायरे में लाया जाएगा।इसका मकसद पेट्रोल पंप पर पहुंचने वाले वाहनों का पीयूसी स्टेटस पता करना है।प्रदूषण प्रमाण पत्र न होने की सूरत में दस हजार रुपये का ई-चालान वाहन मालिक को भेज दिया जाएगा।परिवहन विभाग के मुताबिक, पेट्रोल पंप पर लगे कैमरे नंबर प्लेट को स्कैन कर यह पता लगाएंगे कि वाहन का वैध पीयूसी सर्टिफिकेट है या नहीं।वैध सर्टिफिकेट नहीं होने पर वाहन मालिक को ई-चालान भेजा जाता है।इन कैमरों का कमांड परिवहन विभाग के पास है।अधिकारियों



ने बताया कि अक्तूबर के आखिर में पायलट प्रोजेक्ट के तहत मॉडल टाउन, शास्त्री नगर, माल रोड और शाहदरा के पेट्रोल पंप पर कैमरे लगाए गए हैं।करीब एक महीने पर पहुंचने वाले वाहनों का पीयूसी स्टेटस पता करना है।प्रदूषण प्रमाण पत्र न होने की सूरत में दस हजार रुपये का ई-चालान वाहन मालिक को भेज दिया जाएगा।परिवहन विभाग के मुताबिक, पेट्रोल पंप पर लगे कैमरे नंबर प्लेट को स्कैन कर यह पता लगाएंगे कि वाहन का वैध पीयूसी सर्टिफिकेट है या नहीं।वैध सर्टिफिकेट नहीं होने पर वाहन मालिक को ई-चालान भेजा जाता है।इन कैमरों का कमांड परिवहन विभाग के पास है।अधिकारियों

और दोपहिया वाहन पंजीकृत हैं।इनमें 27.8 लाख कारें हैं, जिसमें 8.4 लाख सीएनई और 2.5 लाख इलेक्ट्रिक कारें शामिल हैं, जबकि 69.8 लाख दो पहिया वाहन पंजीकृत हैं।वाहन चालक नहीं दे पाएंगे चकमा शुरू में इस योजना का पेट्रोल पंप मालिकों ने विरोध किया था, लेकिन बाद में अधिकारियों ने उन्हें समझा लिया।अधिकारियों ने बताया कि कई लोगों में चालान नहीं भरने और वाहन चलाने की प्रवृत्ति होती है।इनमें अधिकतर ऐसे लोग होते हैं जो वाहनों का इस्तेमाल स्थानीय स्तर पर करते हैं और पकड़े जाने से बचे रहते हैं लेकिन पेट्रोल पंपों में विशेष कैमरे लगाने के बाद ऐसे लोग चकमा नहीं दे पाएंगे।

जियो टैगिंग से संपत्ति को मिलेगी पहचान संपत्तियों की जियो टैगिंग से हरएक संपत्ति की स्थान के हिसाब से उसकी पहचान मिलेगी और इससे निगम को नागरिकों को सेवाएं पहुंचाने में आसानी होगी।संपत्तियों की जियो टैगिंग से जीआईएस मानचित्र पर एक संपत्ति को निश्चित अक्षांश देशांतर स्थिति मिलेगी।टैगिंग के लिए एए लॉन्च एमसीडी ने सभी आवासीय और गैर-आवासीय संपत्तियों की जियो-टैगिंग के लिए एक मोबाइल एप लॉन्च किया है।संपत्ति मालिकों को प्ले स्टोर से या वेबसाइट पर जाकर एप डाउनलोड करना होगा।फिर यूनिफाइड मोबाइल ऐप (यूएमए) खोलें और नागरिक विकल्प चुनें।उसके बाद उपयोगकर्ता को लॉग इन करना होगा और फिर एक पंजीकृत मोबाइल नंबर का उपयोग करके जियो-टैगिंग के लिए यूपीआईसी का चयन करना होगा।फिर संपत्ति यूपीआईसी का चयन करें और एक्शन बटन पर जाएं और मानचित्र स्थान को पांप अग्र करने के लिए जियो-टैगिंग पर क्लिक करें।

लूट के आरोपी को नाबालिग मान कर जेजे कोर्ट में सुनवाई का दिया आदेश

गुरुग्राम।सवारी के रूप में बैठकर लूटने के नाबालिग आरोपी को पुलिस ने बालिग बता कर गिरफ्तार किया।पुलिस ने जांच के बाद उसे जेल भेज दिया और अदालत में चार्जशीट दाखिल की है।परिजनों की गृहार पर चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट रमेश चंद्र की अदालत ने उसे नाबालिग माने हुए जेजे कोर्ट में सुनवाई का आदेश दिया है।सेक्टर 29 थाना क्षेत्र में एक ऑटो चालक ने अपने दोस्त के साथ मिल कर सवारी को लूट लिया था।वारदात के चार दिन बाद सेक्टर 29 थाना पुलिस ने लूट का मामला दर्ज किया था।उसमें पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था।जबकि दूसरा फरार है।गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने अदालत में पेश किया और वह भोंडसी जेल में है।पुलिस की ओर से अदालत में चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है।परिजनों की ओर से अदालत में गृहार लगाई गई कि आरोपी नाबालिग है।सुनवाई के बाद अदालत की ओर से दिए आदेश में अब मुकदमा जेजे कोर्ट में सुना जाएगा।

कश्मीर उतराखंड और हिमाचल में शीतलहर

के बीच पारा पहुंचा माइनस में, बारिश पर विराम

● हिमाचल में बारिश-बर्फबारी के बाद शिमला, ऊना, सोलन, कांगड़ा में भी सुबह-शाम के समय मौसम में ठंड बढ़ गई है।

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली केलांग, कल्पा के बाद मनाली और समदो का न्यूनतम तापमान भी अब माइनस में पहुंच गया है।उधर, जम्मू कश्मीर में रात में पारा गिरने का सिलसिला जारी है।उतराखंड और हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी का दौर थमते ही शीतलहर बढ़ गई है।केलांग, कल्पा के बाद मनाली और समदो का न्यूनतम तापमान भी अब माइनस में पहुंच गया है।उधर, जम्मू कश्मीर में रात में पारा गिरने का सिलसिला जारी है।कश्मीर में शीतलहर के साथ रात को अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे चला गया है।हिमाचल में बारिश-बर्फबारी के बाद शिमला, ऊना, सोलन, कांगड़ा में भी सुबह-शाम के समय मौसम में ठंड बढ़ गई है।राजधानी शिमला सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में मंगलवार को



घूप खिली।10 दिसंबर तक प्रदेश में मौसम साफ बना रहने का पूर्वानुमान है।सोमवार रात को केलांग में न्यूनतम तापमान माइनस 7.3, समदो में माइनस 2.8, कल्पा में माइनस 1.6 और मनाली में माइनस 0.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।रिकांगपिओ में न्यूनतम तापमान 0.9, नारकंडा में 0.4, भुंजर में 2.1, कुफरी में 2.5, मंडी में 4.4, शिमला में 4.6, सुंदरनगर में 4.7, सोलन में 5.5, ऊना में 6.4, कांगड़ा में 7.0 और धर्मशाला में 8.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।श्रीनगर में मंगलवार सुबह कोहरा छाया रहा।श्रीनगर में दिन का तापमान 13.0 और बीती रात का न्यूनतम

तापमान माइनस 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।इसी तरह काजीगुंड में न्यूनतम तापमान माइनस 1.6, पहलगाम में माइनस 4.3, कुपवाड़ा में माइनस 1.7 और गुलमर्ग में माइनस 2.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।लेह में कड़ाके की ठंड पड़ रही है।यहां बीती रात को न्यूनतम तापमान माइनस 10.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।जम्मू में दिन की शुरुआत साफ मौसम के साथ हुई और दिभर घूप खिली रही।लेकिन रात में ठंडक का अहसास बढ़ा है।यहां दिन का पारा 23.2 और बीती रात को न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अरावली में मिले कंकालों से लिए

सैपल, डीएनए जांच को भेजे

● जिसके पैर, हाथ और खोपड़ी अलग-अलग पाई गईं।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिवहन विशेष न्यूज

मानेसर।आईएमटी मानेसर थाना क्षेत्र की अरावली की पहाड़ियों में सोमवार को दो कंकाल मिलने के बाद पुलिस ने गांव के चौकीदार के बयान पर अज्ञात के खिलाफ हत्या व सबूत नष्ट करने का मामला दर्ज किया है।पुलिस ने कंकालों से सैपल लेकर डीएनए टेस्ट के लिए भेजे हैं।एसीपी अपराध वरुण दहिया के अनुसार रविवार देर सांय सूचना मिली कि आईएमटी मानेसर थाना क्षेत्र के सेक्टर-8 मारुति गेट नंबर-4 से तीन किलोमीटर दूर जंगल में खरखड़ी गांव की पहाड़ियों में एक शव पड़ा है।जिस पर पुलिस करीब दस बजे गांव कावास व



पुलिस को मौके पर करीब 30 वर्षीय पुरुष का शव मिला।जो करीब तीन माह पुराना बताया जा रहा है।शव पूरी तरह कंकाल हो चुका था, जिसके पैर, हाथ और खोपड़ी अलग-अलग पाई गईं।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस अरावली की पहाड़ियों में खानबीन कर ही रही थी कि सोमवार की सुबह करीब दस बजे गांव कावास व

सहरावन की पहाड़ियों में एक महिला लकड़ी काटने गई तो उसे महिला का शव मिला।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो पहाड़ियों में महिला का कंकाल मिला।यह 25 वर्षीय महिला का बताया जा रहा है।पुलिस को कंकाल के पास ही महिला के वस्त्र भी मिले हैं।सबूत नष्ट करने दोनों मामलों में हत्या व पुलिस नष्ट करने का केस दर्ज किया है।

एक साल में 35 रोडवेज बस हो जाएंगी कंडम

● जिनके दस्तावेज तैयार होने व पासिंग होने के बाद

रुट पर संचालित किया जाएगा, वहीं कई नई बसें भी

गुरुग्राम डिपो को आगामी दिनों में मिलेंगी।

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम।गुरुग्राम डिपो के बेड़े में 202 रोडवेज बसें यात्रियों को सफर करा रही हैं।इन बसों में से 35 बसें अगले एक साल के दौरान 10 साल पूरे होने पर कंडम हो जाएंगी।दिसंबर माह में ही दो रोडवेज बसें बेड़े से बाहर हो जाएंगी, वहीं 33 बसें वर्ष-2024 के दौरान अलग-अलग माह में कंडम घोषित हो जाएंगी।हालाँकि गुरुग्राम डिपो में टाटा कंपनी की आठ नई बसें खड़ी हैं, जिनके दस्तावेज तैयार होने व पासिंग होने के बाद रुट पर संचालित किया जाएगा, वहीं कई नई बसें भी गुरुग्राम डिपो को आगामी दिनों में मिलेंगी।हरियाणा परिवहन विभाग की ओर से वर्ष 2013-14 में काफी बसों को रोडवेज के बेड़े में शामिल किया गया था।डीजल से चलने वाली बसों

व अन्य वाहनों के चलाने के लिए 10 साल की अनुमति होती है।ऐसे में इन रोडवेज बसों को 10 साल पूरे होने पर बसों को कंडम घोषित कर दिया जाता है।वर्ष-2023 के दौरान 10 साल पूरे करने वाली कई रोडवेज बसों को कंडम घोषित किया जा चुका है।गुरुग्राम डिपो महाप्रबंधक प्रदीप कुमार अहलावत ने बताया कि 10 साल पूरे करने वाली रोडवेज बसों के कंडम होने से रुटों पर यात्रियों को असुविधा नहीं होगी।डिपो के पास पर्याप्त संख्या में बीएस-6 तकनीक वाली नई बसें हैं।बता दें कि वर्तमान में गुरुग्राम डिपो में 202 रोडवेज बसें यात्रियों को सेवाएं दे रही हैं।जिनमें छह वॉल्वो बस, 20 मिनी बस, सात एसी बसें, 35 किमी स्कीम वाली बसें, 95 बीएस-6 तकनीक वाली नई बसें और 39 बीएस-4 तकनीक वाली बसें हैं।बीएस-4 तकनीक वाली 39 बसों में से 35 बसें 10 साल पूरे करने पर अगले एक साल में कंडम हो जाएंगी।गुरुग्राम डिपो के मुख्य निरीक्षक (सीआई) राजबीर सिंह ने बताया कि वर्ष-2014 में बेड़े में शामिल हुई बसों के 10 साल पूरे होने वाले हैं।समय पूरा होने के बाद बसों को डिपो में खड़ा करा दिया जाएगा।

टॉमी, शेरू और ब्रूनो का मोक्ष द्वार तैयार, सीएनजी से

होगा शवदाह, अस्थियां रखने के लिए होगा लॉकर

● अपनी तरह का पहला शवदाह गृह बनाने की योजना पर एमसीडी की दलील है कि अपने देश में आदिकाल से कुत्तों को इंसान के सबसे करीब रहने वाले जानवरों में से एक माना गया है।

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर पशु-प्रेमी विधि-विधान से अपने प्रिय डॉगी का अंतिम संस्कार रख सकेगे।फिर कुत्तों की अस्थियां रखने का लॉकर रूम भी होगा।दिल्ली में टॉमी, शेरू और ब्रूनो समेत सभी पालतु व लावारिस कुत्तों का मोक्ष द्वार तैयार है।यहां सीएनजी से शव दाह की सुविधा दी गई है।पशु-प्रेमी विधि-विधान से अपने प्रिय डॉगी का अंतिम संस्कार कर सकेगे।फिर कुत्तों की अस्थियां रखने का लॉकर रूम भी होगा।एमसीडी द्वारका के सेक्टर-29 में पहले शवदाह स्थल को अगले सप्ताह शुरू करने की तैयारी में है।अधिकारियों का कहना है कि ऑर्जोएल ने यहां गैस पाइप लाइन बिछाई है।इसका दायल भी पूरा कर लिया गया है।शवदाह के लिए यहां दो भट्टियां



हैं।पहली भट्टी सिर्फ पालतु कुत्तों के लिए है, जबकि दूसरी भट्टी में बिल्ली, बंदर, लावारिस कुत्ते इत्यादि का शवदाह होगा।अपनी तरह का पहला शवदाह गृह बनाने की योजना पर एमसीडी की दलील है कि अपने देश में आदिकाल से कुत्तों को इंसान के सबसे करीब रहने वाले जानवरों में से एक माना गया है।लोगों का इनसे आत्मीय लगाव होता है।पशु प्रेमी कई बार इनको अपने बच्चे की तरह पालते हैं।इसी भाव को ध्यान में रखते हुए पालतु कुत्तों के लिए ये कदम उठाया गया है।यहां सीएनजी से जानवरों

तैयारी की गई है।बेसहारा का मुफ्त में होगा शवदाह पालतू के लिए लगेगी फीस इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने यहां गैस पाइप लाइन लगाई है।करीब 700 वर्ग मीटर में फैले इस रमशान परिसर के भीतर कुत्तों के लिए नसबंदी केंद्र भी है।बेसहारा जानवरों का फ्री में शवदाह किया जाएगा।पालतू जानवरों के लिए फीस रखी गई है।30 किलोग्राम से कम वजन के जानवरों के शवदाह के लिए 2000 रुपये, जबकि 30 किलोग्राम से अधिक वजन के जानवर के शवदाह के लिए 3000 हजार रुपये फीस तय की गई है।कई नगर निगमों को पसंद आया द्वारका में कुत्तों का शवदाह स्थल तैयार करने वाली एजेंसी ने जानकारी दी है कि ये अपनी तरह का देश का पहला शवदाह केंद्र बना है।ये आइडिया देश के कई नगर निगमों को पसंद आया है।मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ, नागपुर और पटना में भी इस तरह के शवदाह परिसर बनाए जाने की योजना है।कई शहरों में इनका निर्माण हाल ही में शुरू हुआ है और कई जगहों पर निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की संभावना है।



Hyundai ने Shah Rukh Khan को गिफ्ट दी Ionio 5, जानें इसके फीचर्स, स्पेसिफिकेशन और दाम

परिवहन विशेष न्यूज

Ionio 5 की कीमत 45.9 लाख रुपये है और इसमें 72.6‘Wh बैटरी पैक है, जिसकी अप्फ़ाक रेंज 631 किमी प्रति चार्ज है। भारत में, Ioniq 5 सिंगल-मोटर रियर-व्हील-ड्राइव स्पेसिफिकेशन के साथ आता है जो 217 bhp और 350 ठेका टॉर्क विकसित करता है।

हुंडई ने Ioniq 5 इलेक्ट्रिक कार की 1,000 से अधिक इकाइयां बेची है और 1100वीं इकाई शाहरुख खान को सौंपी है।

इससे पहले, 2023 ऑटो एक्सपो में बॉलीवुड अभिनेता ने कार लॉन्च की थी और हुंडई के ब्रांड एंबेसडर के रूप में उसके साथ अपना 25 साल का जुड़ाव जारी रखा था।

Ioniq 5 की कीमत 45.9 लाख रुपये है और इसमें 72.6‘Wh बैटरी पैक है, जिसकी ARAI रेंज 631 किमी प्रति चार्ज है।

भारत में, Ioniq 5 सिंगल-मोटर रियर-व्हील-ड्राइव स्पेसिफिकेशन के साथ आता है जो 217



की जाने वाली दूसरी इलेक्ट्रिक एसयूवी है, जिसमें एक मौलिक डिजाइन भाषा और एक उद्देश्य-निर्मित इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म है जो

प्लास्टिक और बहुत कुछ से बने इंटीरियर की सुविधा है। अन्य प्रीमियम ईवी के समान, Ioniq 5 में भी V2L फंक्शन शामिल है, जो कार को अन्य उपकरणों को चार्ज करने में सक्षम बनाता है।

कंपनी की ओर से यह भी बताया जा रहा है कि सिंगल फोन चार्ज पर यह 613 किलोमीटर की जबरदस्त रेंज देने में सक्षम है। इस कार को

हुंडई की ओर से बेहतर बनाने की कोशिश की गई है। कंफर्ट लेवल को ध्यान में रखा गया है। साथ ही साथ कार में बेहतर पोजीशनिंग भी दी गई है। स्पेस पर भी पूरा ध्यान रखा गया है। एलइडी हेडलैंप के साथ-साथ कई प्रीमियम एलईडी सपोर्ट दिया गया है। इस वाहन को इलेक्ट्रिक वाहन के लिए खासतौर पर विकसित प्लेटफॉर्म ई-जीएमपी पर बनाया गया है।



बीएमटीसी ने बंगलुरु के अट्टीबेले और होसकोटे के बीच 10 नई वज़्र बसें की शुरू, जानें डिटेल्स

परिवहन विशेष न्यूज

बंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) ने अट्टीबेले और होसकोटे के बीच 10 नई Vajra (Upi) बसें शुरू की हैं। बीएमटीसी के लिए इस रूट पर फुल एयरकंडीशन स्थानीय बसें चलाने का यह पहला मौका है क्योंकि इन सभी दिनों में सिर्फ साधारण बसें ही चल रही थीं।

बीएमटीसी के मुताबिक, ये वज़्र बसें इंदलबेले, बिदारगुप्पे, मेदाहल्ली, बिलापुरा, सरजापुर, सोमपुरा, येमारे, डेम्मासांद्रा, हेगगोडाहल्ली, गुंजूर, वरथूर, वरथूर कोडी, व्हाइटफील्ड पोस्ट ऑफिस, होप फार्म, कडुगोडी, बेलाथूर, सीगेहल्ली, काजी सीनेनेहल्ली, होसकोटे कोडी और होसकोटे हाई स्कूल के बीच यात्रा करने के लिए निर्धारित हैं।

रविवार को कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने नई बसें लॉन्च कीं और कहा कि ये बसें उन कर्मचारियों की मदद करेंगी



के हिसाब से तय की गई है। पीक आवर्स के दौरान बसें हर 15-20 मिनट पर उपलब्ध होंगी और नॉन-पीक आवर्स के दौरान 40-45 मिनट तक का समय लगेगा।

इस बीच, बंगलुरु के सभी रूट पर वज़्र बसों में काफी समय तक यात्रियों की भीड़ देखी जा रही है। इन बसों का किराया बहुत ज्यादा नहीं है और ये आरामदायक हैं, और इसके कारण कई यात्री व्यस्त ट्रैफिक घंटों में अपने हाई संख्या बढ़ाने की भी मांग है। क्योंकि कई लोग केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक आते-जाते समय इन बसों का ऑप्शन चुन रहे हैं।



जो बंगलुरु के बाहरी इलाके में रहते हैं और दैनिक आधार पर शहर की यात्रा करते हैं। चूंकि बहुत से लोग होसकोटे से मध्य और दक्षिण बंगलुरु की यात्रा करते हैं, ये बसें उन्हें नई लॉन्च

की गई पर्पल लाइन मेट्रो का इस्तेमाल करने में भी मदद करेंगी।

इन बसों की प्रीक्वेसी आईटी राजधानी के पीक ऑवर ट्रैफिक

सिर्फ एक साल में Royal Enfield ने बेचीं Hunter 350 की 2 लाख बाइक

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आप भी रॉयल एनफील्ड के दीवाने हैं, तो आपके लिए एक खुशखबरी है।

बता दें कि रॉयल एनफील्ड हंटर 350 ने कामयाबी की एक नई झांकी पेश की है और हंटर 350 ने अपने लॉन्चिंग के 1 साल के अंदर अंदर 2 लाख यूनिट बाइक सेल कर दी है।

बच्चे जब जवान होने लगते हैं तो उनकी पहली पसंद होती है दमदार बाइक पर राइड करना। वैसे तो मार्केट में आपको बहुत सारी बाइक की कंपनी और बहुत सारे मॉडल देखने को मिल जाएंगे, लेकिन इन सब के बीच रॉयल एनफील्ड काफी विश्वसनीय नाम है और इसके दीवानों आपको चारों तरफ देखने को मिल जाएंगे।

अगर आप भी रॉयल एनफील्ड के दीवाने हैं, तो आपके लिए एक खुशखबरी है। बता दें कि रॉयल एनफील्ड हंटर 350 ने कामयाबी की एक नई झांकी पेश की है और हंटर 350 ने अपने लॉन्चिंग के 1 साल के अंदर अंदर 2 लाख यूनिट बाइक सेल कर दी है।

आपको बता दें कि पिछले साल ही 2022 में अगस्त में ही हंटर 350 को लांच किया गया था



और फरवरी 2023 आते आते ही हंटर ने अपनी 1 लाख यूनिट सेल का आंकड़ा पार कर लिया था, हंटर की कामयाबी यही नहीं रुकी और अपना 1 साल पूरा करते-करते यह बाइक 2 लाख यूनिट बाइक बेचने के आंकड़े को पार कर चुकी है। हालांकि यह आंकड़ा दुनिया भर से है और इससे यह साफ स्पष्ट होता है कि, रॉयल एनफील्ड की ग्लोब इंटरनेशनल लेवल पर हो रही है। आपको बता दें कि भारत के अलावा रॉयल एनफील्ड ने अपने हंटर 350 को इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, थाईलैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूरोप, यूनाइटेड किंगडम, अर्जेंटीना, कोलंबिया और मेक्सिको, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में बेच रही है।

रॉयल एनफील्ड की कीमत की बात करें तो इस बाइक की शुरूआती कीमत डेढ़ लाख रुपए रखी गई है और इसके दो वैरिएंट कंपनी द्वारा लांच किए गए हैं।

इस बाइक में आपको 349 सीसी का इंजन मिलता है यह J-platform पर आधारित है।

इस बाइक में आपको फाइव स्पीड गियर बॉक्स मिलता है और जो की इसमें 20 एचपी का इंजन भी लगाया गया है जो 27 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं मोटर साइकिल की टॉप स्पीड 114 किलोमीटर प्रति घंटा है।

Yamaha ने अपनी फेमस बाइक को लांच किया डार्क नाइट एडिशन के साथ

परिवहन विशेष न्यूज

यामाहा की शानदार बाइक में आपको 155 का सिंगल सिलेंडर इंजन मिलता है, जोकि लिक्विडकूल इंजन होता है। इसका इंजन 18.4bhp का पावर और 14.2ठेका टॉर्क जनरेट करता है। बाइक में आपको सिक्स स्पीड गियर बॉक्स मिलता है जिसमें ट्रांसमिशन ड्यूटी के लिए असिस्ट और स्लिपर क्लच भी मिलता है।

यामाहा ने अपनी सबसे ज्यादा प्रचलित और मोस्ट डिमांडिंग बाइक को अपडेट कर दिया है, बता दें कि इस बाइक को एक नई 'डार्क नाइट' कलर स्कीम के तहत लॉन्च किया गया है और यह रेड, ब्लू और इंटेसिटी व्हाइट रंगों में शुरुआत में उपलब्ध है। इस बाइक के तीन वैरिएंट लॉन्च किए गए, तीनों वैरिएंट की कीमत क्रमशः 1.81 लाख रुपये,



1.82 लाख रुपये और 1.86 लाख रखा गया है। जानकारों का कहना है कि इस बाइक के कलर में ही बदलाव किया है, बाकी सारे फीचर आपको पहले की तरह ही मिलने वाले हैं।

अब आप कहेंगे कि सिर्फ कलर में बदलाव कौन सी बड़ी बात है तो आपको बता दें कि Yamaha R15 V4 Dark Knight काफी फेमस बाइक है यामाहा की और इस बाइक की दीवानगी कितनी है, यह बताने की जरूरत नहीं है। जहां तक कलर की बात है, तो बता दें कि यामाहा ने इस फेमस बाइक को अब तक सिर्फ दो कलर में लाती थी, मैट फिनिश और गोल्ड हाइलाइट्स में ऑल-ब्लैक बांडीवर्क मिलता है, लेकिन इस बाइक के तीन और नए कलर वैरीअंट आ जाने के बाद से इसके शौकीनों की चांदी हो गई है और अब वह अपने मन पसंदीदा बाइक को और भी अधिक कलर

फिक्की ने फेम-3 योजना के तहत डिमांड इंसेंटिव जारी रखने का रखा प्रस्ताव, मार्च में खत्म हो रही है फेम-2

परिवहन विशेष न्यूज

फिक्की ने आधिकारिक तौर पर भारी उद्योग मंत्रालय को एक प्रस्ताव पेश किया है। जिसमें अगले पांच वर्षों के लिए हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों (FAME) योजना को तेजी से अपनाने और मैनुफैक्चरिंग को जारी रखने का आग्रह किया गया है, जिसकी तीन साल पर समीक्षा की जाए।

फिडरेशन ऑफ इंडियन वैबर्स ऑफ कॉर्मर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI) (फिक्की) ने आधिकारिक तौर पर भारी उद्योग मंत्रालय को एक प्रस्ताव पेश किया है। जिसमें अगले पांच वर्षों के लिए हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों (FAME) योजना को तेजी से अपनाने और मैनुफैक्चरिंग को जारी रखने का आग्रह किया गया है, जिसकी तीन साल पर समीक्षा की जाए। पीटीआई की एक रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है। मौजूदा FAME II योजना मार्च 2024 में खत्म होने वाली है।

फिक्की ने अप्रफंड प्राइस इंसेंटिव को अचानक वापस लेने या बंद करने के संभावित परिणामों पर रोशनी डाली। जिसमें कहा गया कि इस तरह के कार्यों से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतों में 25 प्रतिशत तक की उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है। जिससे ईवी अपनाने की रफ्तार को काफी हद तक बाधित कर सकता है। जिससे





करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। विभिन्न हितधारकों सहित ईवी क्षेत्र के भीतर विविध सदस्यता आधार से इनपुट के आधार पर, फिक्की ईवी समिति ने अनुमान लगाया कि अगले पांच वर्षों में सुझाए गए मांग प्रोत्साहन प्रदान करने से विभिन्न सेगमेंट में 30.5 मिलियन इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की सुविधा मिल सकती है। यह, बदले में, भारत के परिवहन क्षेत्र के लिए 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन लक्ष्य को हासिल करने में योगदान देगा।

फिक्की ने अपने कई स्थानीयकरण मानदंडों के जरिए फेम योजना के 'मेक इन इंडिया' पर जोर देने के महत्व को रेखांकित किया। इसने FAME को अचानक बंद करने के प्रति आगाह किया। क्योंकि यह न सिर्फ मांग बढ़ोतरी को उलट सकता है बल्कि ईवी क्षेत्र में निवेश और व्यापक स्थानीय उत्पादन उद्देश्य को भी प्रभावित कर सकता है।

इसके अलावा, फिक्की ने जोर देकर कहा कि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई प्रोडक्शन-लिंकड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना की कामयाबी ईवी की निरंतर मांग पर निर्भर करती है।

आगे देखते हुए, फिक्की ने आशा जताई है कि, अगले 3-5 वर्षों में, बैटरी की कीमतों में कटौती और ईवी कंपोनेंट पर स्केलिंग प्रभाव कम होने और आखिरकार मांग प्रोत्साहन को बंद करने का रास्ता खोल सकता है।

क्षेत्र में निवेश पर असर पड़ेगा और अब तक हासिल की गई प्रगति खतरे में पड़ जाएगी। उद्योग निकाय ने कनाडा, अमेरिका और कोरिया जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ईवी के लिए परजेस

इंसेंटिव (खरीद प्रोत्साहन) के मौजूदा प्रावधान पर जोर दिया। फिक्की ने तर्क दिया कि भारत को पीछे नहीं रहना चाहिए और वैश्विक ईवी ट्रेंड में शामिल होने का मौका चूकना नहीं चाहिए।

लक्ष्य हासिल करने के लिए FAME योजना को जारी रखने के महत्व पर जोर दिया। इसमें कहा गया है कि यह 'पंचामृत' और नेट-जीरो लक्ष्यों सहित भारत के जलवायु कार्रवाई लक्ष्यों का समर्थन



हार कांग्रेस के लिए बहुत बड़ा झटका है

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा की 519 और लोकसभ की 65 सीटें आती हैं। अगर हिंदी पट्टी के राज्यों- जम्मू कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और केंद्र शासित चंडीगढ़ एवं लेह लद्दाख में कुल 245 लोकसभा की सीटें आती हैं। वर्तमान में कांग्रेस के पास हिंदी पट्टी में मात्र 14 लोकसभा सांसद हैं। वर्तमान लोकसभा में कांग्रेस के कुल 51 सांसद हैं और हिंदी पट्टी के एकमात्र राज्य हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है। केंद्र में किसकी सरकार बनेगी यह तय करने में हिंदी पट्टी के राज्य बड़ी भूमिका निभाते हैं। ताजा चुनाव नतीजों से कांग्रेस की लोकसभा चुनाव तैयारियों को बड़ा झटका लगना तय है। अगर हिन्दी पट्टी के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की बात की जाए तो यहाँ कांग्रेस की हालत किसी से छिपी नहीं है। पिछले तीन दशकों से पार्टी यूपी में अपनी जमीन तलाश रही है। यूपी में सारी रणनीति और पैररेवाजी के बावजूद वो टीक से खड़ी नहीं हो पा रही है। साल 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का अब तक सबसे खराब प्रदर्शन दिखा। कांग्रेस को दो सीटों पर जीत हासिल हुई। इस चुनाव में देश की सबसे पुरानी पार्टी कई प्रधानमंत्री देने वाले राज्य में अब निराशाजनक प्रदर्शन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके लड़ा था। और उसे 7 सीटों पर जीत मिली थी। असल में कांग्रेस की यूपी में खराब हालत 1985 से ही जारी है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस तब से 50 सीटें भी नहीं जीत पाई है। कांग्रेस 1985 के बाद से अब तक 50 का आंकड़ा नहीं पार कर पाई। इस चुनाव में इतिहास का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन दिख रहा है। कांग्रेस को वर्ष 2012 में विधानसभा चुनाव में 28, वर्ष 2007 में 22 और वर्ष 2002 में 25 सीटें मिली थीं। यूपी में पिछले चार लोकसभा चुनाव के नतीजों पर गौर किया जाएगा तो कांग्रेस का सबसे बेहतर प्रदर्शन 2009 में ही रहा था। आज सिर्फ एक सीट वाली कांग्रेस ने 2009 में 21 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2009 के बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को जबरदस्त झटका लगा और कांग्रेस सिर्फ अपनी दो परंपरागत सीटें रायबरेली व अमेठी में ही जीत हासिल कर सकी। 2019 के चुनाव में कांग्रेस की सिर्फ एक सीट ही रह गई। इन चुनावों में सपा-बसपा के गठबंधन की वजह से कांग्रेस ने कई सीटों पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे, जबकि कई सीटों पर कांग्रेस तीसरे नंबर पर रही। 2019 में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को यूपी की अमेठी सीट के साथ केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ने को मजबूर होना पड़ा। अमेठी में राहुल गांधी को बीजेपी की तेजतर्रार नेता स्मृति इरानी से शिकस्त दी। विधानसभा चुनाव को लोकसभा चुनाव का सीमाफाइनल माना जा रहा था, ऐसे में कांग्रेस ने चुनाव जीतने के लिए हर पैरैरे का प्रयोग किया। प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमले के साथ ही, जाति जनगणना और जनता को लुभाने के लिए वायदे भी जमकर किये गये। बावजूद इसके पार्टी हिंदी पट्टी में बुरी तरह हार गई। खारकर मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। लेकिन वहां बीजेपी 18 साल के अपने शासन को बरकरार रखने में सफल रही। बीजेपी ने 2018 के विधानसभा चुनाव से बड़ी जीत दर्ज की है। जो अपने आप में ऐतिहासिक है। मध्य प्रदेश में जहां बीजेपी 18 साल के शासन के बाद सरकार बचाने में सफल रही, वहीं कांग्रेस राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपने पांच साल के कार्यकाल के बाद ही भ्रष्टाचार, तृष्टिकरण, वायदाखिलाफी और अकुशल प्रशासन के चलते सत्ता से बाहर हो गई। छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने वर्ष 2003 से 2018 तक 15 साल शासन किया था। उसके बाद 2018 में कांग्रेस की सत्ता स्थापित हुई। लेकिन प्रदेश की जनता ने पांच साल में ही उसे सत्ता से बेदखल कर दिया। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने 2018 के चुनाव में शराबबंदी का वायदा किया था। लेकिन पांच साल में उसने यह वायदा पूरा नहीं किया। उलटा बघेल सरकार पर शराब घोटाले के आरोप लगे। सीमेंट घोटाला और महादेव बैटिंग एग के आरोपों में भी बघेल सरकार धरती दिखाई दी। तमाम आरोपों के बावजूद कांग्रेस को इस बात की पूरी उम्मीद थी कि प्रदेश में बीजेपी कमजोर स्थिति में है, ऐसे में वो सरकार बचाने में कामयाब रहेगी। वहीं छत्तीसगढ़ को लेकर बीजेपी को भी कोई ज्यादा उम्मीद नहीं थी। लेकिन प्रदेश की जनता ने सारे समीकरणों और अनुमानों को हवा बताते हुए सम्प्रदायी दिखाई और सारे विस्मरणों को फेल करते हुए बीजेपी के हक में अपना फैसला सुनाकर सबको चौंका दिया।

ठंडी के दिन और नहाने की झिंकझिंक



डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

ठंड शिविर चल रहा है। बिन नहाए गिनित बुक में कीर्तिमान स्थापित करने वाले स्नानाचार्य लोटासागर जी स्नान न करने के फायदे पर प्रवचन दे रहे हैं। अपने मुंह का ताला खोलते हुए बोले झ ठंडी के दिन और ठंडी की बातें गर्मी नहीं दे सकते। इसके लिए कुछ गरमागरम बोला पड़ ता है। तु-तड़ाक करने से गर्मी पैदा होती है। हो सको तो किसी से दो-चार बातें सुन लो या फिर गाल पर तमाचे वाली लाली ही सजा लो। वैसे भी कबीरदास कह गए हैं कि नहाये धोये क्या हुआ, जो मन का मैल न जाए; मीन सदा जल में रहे, धोये बास न जाए। अर्थात स्नान निरर्थक है, असल बात मन का मैल है। मन का मैल धोने के लिए किसी से बात करनी पड़ती है। यही नहीं, कुछ ने तो यहाँ तक कहा है कि बच्चू बाबू एम.ए. करके सात साल झूख मारे, इससे अच्छा होता, रजाई ओढ़ सो जाते। इसे संवाद-स्नान कहते हैं, प्रवचन-स्नान कहते हैं। घर में अगर लड़ने झगड़ने वाली गृहणी हो तो सदा चलने वाला कुम्भ स्नान है। ठंडी के दिनों में लोग नहाने को पाप समझते हैं। पानी से छत्तीस का आंकड़ा होता हैं। न नहाना भी एक बहादुरी का काम है। उन लोगों के लिए भी है जिन्हें अपने लिए नहीं दूसरों के लिए नहाना पड़ जाता है। हालाँकि देश में स्वच्छता अभियान चल रहा है और एक अच्छे नागरिक का फर्ज है कि वह इस अभियान में योगदान दे इसलिए ये उनके लिए भी है जिन्हें देश के लिए जबर्न नहाना पड़ता है। कुछ अर्थव्यवस्था के जाकार हैं, वे साबुन-तेल उद्योग को बल देने ले लिए नहाते हैं। ज्यादातर ऐसे हैं जिन्हें पूजा करना कुल देने के लिए नहाते हैं, वे भगवान के लिए नहाते हैं, सोचते हैं नहाये धोये अगरबत्ती लगायेगे तो बदले में प्रभु पिछले पाप भी देंगे। यहाँ नहाने का किसी न किसी मतलब से जुड़ाव होता है। सब किसी न किसी मजबूरी में नहाते हैं, कोई अपने शरीर के लिए नहीं नहाता है। क्यों नहाए भई ! ? अपन हैं कौन ? जानते हो, ठण्ड में शरीर की वजह से आत्मा को कष्ट देना सुपर से ऊपर का पाप है। ये भगवान की ही व्यवस्था है कि कोई कितना ही गन्दा क्यों न हो उसे खुद अपनी बास नहीं आती है। तो बास अपनी नहीं दूसरों की समस्या है, बोले तो अपन को क्या ! लाल, पीली, हरी किलबों में लिखा है नहाना एक एच्छिक कार्य है। आधुनिक नहाना चाहता है, बस इतना ही काफी है। ज्यादातर लोग पानी से नहाने को नहाना मानते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। विधानो ने नहाने के कई तरीके बताये हैं। ध्यान-स्नान के आलावा सर्दी के मौसम में सूर्य स्नान और वायु स्नान भी लोकप्रिय है।

छत्तीसगढ़ : शकुनि के पांशों से खेलने की डेढ़ होशियारी ले डूबी कांग्रेस को



लेखक : संजय पराते

छत्तीसगढ़ के लिए सारे एग्जिट पोल फेल हुए जो प्रेक्षक यह सोच रहे थे कि कांग्रेस हाफते-लंगड़ाते मैदान जीत जाएगी, उन्हें भारी निराशा हुई है लेकिन इसमें अप्रत्याशित कुछ भी नहीं था, आंकड़े इसके गवाह हैं वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 32.3% वोट मिले थे और वर्ष 2013 की तुलना में उसके वोटों में लगभग 9% की गिरावट आई थी इस वोट को जोगी कांग्रेस और बसपा के गठजोड़ ने खींचा थो लेकिन छह माह बाद ही लोकसभा चुनाव में ये वोट उसके पास लौट आये थे और उसे 50.7% वोट मिले थे स्पष्ट है कि कांग्रेस के वोट भी उसकी झोली में गिरे थे वर्ष 2018 के विधान सभा चुनाव में 43.9% वोट पाने वाली कांग्रेस के हिस्से में वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में केवल 27.3% वोट ही रह गए थे वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 40.3% वोट मिले थे और इस विधानसभा चुनाव में भी उसे 42.1% वोट मिले है पांच सालों में उसके मत-आधार (वोट बेस) में गिरावट ही आई है, इसके बावजूद कि 'न्याय योजनाओं' के जरिये ग्रामीण जनता को कुछ राहत देने के कदम उसने उठाये थे इन आंकड़ों से जो राजनैतिक संदेश कांग्रेस नेतृत्व को ग्रहण करना चाहिए था, उसमें वह अक्षम साबित हुई और भाजपा का राजनैतिक-वैचारिक रूप से मुकाबला करने के बजाय शकुनि के पांशों से ही खेलने को डेढ़

इसमें कांग्रेस का हिंदुत्व का सबसे बड़ा बहुरूपिया चेहरा विकास उपाध्याय (रायपुर पश्चिम) भी शामिल है, जिनकी पिछले चुनाव में 12212 वोटों की जीत 41229 वोटो से हार में बदल गई उनका हिंदुत्व इतना प्रखर था कि वे 'हिन्दू राष्ट्र' का प्रवचन करने वाले और महात्मा गांधी को गाली देने वाले आबाओं-बाबाओं के आयोजन के मुख्य कर्ता-धर्ता थे कांग्रेस के धर्मानिरपेक्ष चेहरे मो. अकबर को भी कवर्धा से 89592 वोटों से हार का सामना करना पड़ो भाजपा ने कवर्धा को सुनियोजित तरीके से सांप्रदायिकता की प्रयोगशाला बना दिया है

होशियारी उसे ले डूबी इसमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अहंकारपूर्ण कार्यप्रणाली को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जिन्होंने भाजपा से मुकाबले के लिए 'नरम हिंदुत्व' की लाइन चुनी छत्तीसगढ़ में फिर से सत्ता में आने का कांग्रेस का सपना चकनाचूर हुआ है, तो कांग्रेस की हार के कारण स्पष्ट है। सत्ता का घमंड जब सिर चढ़कर बोलता है, तो वह अपने के साथ जनता को भी दूर करता है। सत्ता की चाहनी होने के बावजूद कांग्रेस इतनी कमजोर हुई है कि राहुल-प्रियंका-खड़गे की तिकड़ी का प्लास्टर किसी काम न आया। पांच साल पहले भाजपा को टुकड़ाकर जनता ने कांग्रेस को मौका दिया था कि वह भाजपा की सांप्रदायिक-कांपोरेंटपरस्त नीतियों का विकल्प पेश करें, लेकिन सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने 'नरम हिंदुत्व' की राह पर चलने और आदिवासियों का जल-जंगल-जमीन पर स्वाभिव्य छीनने की ही राह अपनाई। नतीजें न, कांग्रेस के 9 मंत्रियों सहित आधे विधायकों को हार का सामना करना पड़ा है। इसमें कांग्रेस का हिंदुत्व का सबसे बड़ा बहुरूपिया चेहरा विकास उपाध्याय (रायपुर पश्चिम) भी शामिल है, जिनकी पिछले चुनाव में 12212 वोटों की जीत 41229 वोटो से हार में बदल गई उनका हिंदुत्व इतना प्रखर था कि वे 'हिन्दू राष्ट्र' का प्रवचन करने वाले और महात्मा गांधी को गाली देने वाले आबाओं-



बाबाओं के आयोजन के मुख्य कर्ता-धर्ता थे कांग्रेस के धर्मानिरपेक्ष चेहरे मो. अकबर को भी कवर्धा से 39592 वोटों से हार का सामना करना पड़ो भाजपा ने कवर्धा को सुनियोजित तरीके से सांप्रदायिकता की प्रयोगशाला बना दिया है चुनाव परिणामों के बाद रपठानों को भगाने की नारेबाजी करने वाले वीडियोवायरल हुए हैं, जो भाजपाई राज में आने वाले 'अशुभ दिनों' के संकेत दे रहे हैं इसमें मुख्यमंत्री के पद की दौड़ में शामिल अल्पकालिक उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव की अंबिकापुर में हुई हार भी शामिल है। भूपेश बघेल, जिन्हें राजनैतिक हलकों में व्यंग्य से 'छोटे मोदी' कहा जाता है, की कार्यप्रणाली का नतीजा पूरी कांग्रेस को भुगतना पड़ा है। अपने को सर्वशक्तिमान के रूप में स्थापित करने के लिए उन्होंने अपने मीडिया सलाहकारों के सहारे 'गोदी मीडिया' की तरह 'भोंपू मीडिया' का जो मायाजाल रचा था, वह किसी काम न आया। यह देखना अब दिलचस्प होगा कि अपने मंत्री साथियों की हार के बीच बुलककर निकले भूपेश अब क्या भूमिका निभाते हैं? मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावी नतीजों के संदर्भ में बादल सरोज अपने राजनैतिक टिप्पणी गौरतलब है -- शकुनि के पांशों से खेलने की चतुराई शकुनि की जीत को ही पक्का करती है !! इतिहास के इस सबक से कांग्रेस हाईकमान और भूपेश बघेल ने कुछ नहीं सीखा। यह व्यंग्य प्रचलित

है कि आम जनता तो कांग्रेस को जीताना चाहती है, लेकिन कांग्रेस ही यदि भाजपा को जीताने में लग जाए, तो कोई क्या करें? पिछले पांच सालों में रिक्त सरकारी पदों की संख्या बढ़ती ही गई है और नियमितीकरण के वादे पर अमल नहीं किया गयो जल-जंगल-जमीन की लूट के लिए बस्तर का सैन्यीकरण और ज्यादा हुआ है और इसके साथ ही बढ़ा है बस्तर के आदिवासियों पर अत्याचार। ताड़मेटला कांड सहित जो भी रिपोर्ट उजागर हुई, उन पर भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। सिलगेर में पांच आदिवासी सुरक्षा बलों की गोली से मारे गए, जिम्मेदारों पर कोई कार्यवाही नहीं। जिन्होंने भी सत्ता पक्ष को कारगुजारियों के खिलाफ मुंह खोला, उन पत्रकारों पर हमले किए गए ऐसा कानून की मूल भावना के खिलाफ ही नियम बनाकर उसको अप्रभावी कर दिया गया, जिसके खिलाफ कद्दावर मंत्री टीएस सिंहदेव को पंचायत विभाग छोड़ना पड़ा। हसदेव अरण्य के कोयला खदानों को अदानी को सौंपने के लिए की गई चतुराई भी सबने देखी। प्रशासन भी उन्हीं लोगों के सहारे चलाया गया, जो पहले भाजपा की बैसाखी थे। भ्रष्टाचार के मामले में जनता का अनुभव भाजपा से बुरा था। भाजपा ने सीबीआई और ईडी जैसी केन्द्रीय एजेंसियों का खुलकर दुरुपयोग किया, लेकिन जो फंसे, उनके लिए आम जनता को कोई सहानुभूति नहीं थी।

पूरी दुनियां में बजेगा भारत का डंका

भारत इस समय दुनियां में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है. हालांकि अभी देश की जीडीपी फिलहाल 4 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को नहीं छू पाई है, लेकिन इस नई ऊंचाई तक पहुंचने से बहुत दूर भी नहीं है। दरअसल रविवार को सोशल मीडिया पर एक स्क्रीनशॉट बहुत वायरल हुआ, जिसमें भारत की जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर हो जाने का दावा किया जा रहा था। एक नई उपलब्धि के तौर पर कई सोशल मीडिया चैनलों ने इसे हाथों-हाथ लिया। हालांकि बाद में पता चला कि ये स्क्रीनशॉट सही नहीं है।

की ग्रेथ रेट 7 प्रतिशत पहुंच जाएगा। ग्लोबल क्रेडिट आउटलुक 2024 में एस एंड पी ने लिखा कि हमें लगता है वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी ग्रेथ रेट 6.4प्रतिशत रहेगी। जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी ग्रेथ रेट 6.9प्रतिशत पहुंच जाएगा, एजेंसी ने आगे लिखा, भारत 2030 तक दुनिया की जीडीपी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और हमारी उम्मीद है कि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत अगले तीन साल तक सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होगा। फिलहाल भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत से पहले अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान हैं। एजेंसी ने कहा, बड़ा टेस्ट इस बात का होगा कि क्या भारत अगला बड़ा ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बन सकेगा या नहीं, जो एक बड़ा मौका है। एक मजबूत लॉजिस्टिक्स फ्रेमवर्क, भारत को एक सर्विस बेस्ड इकोनॉमी से मैन्युफैक्चरिंग डोमिनेटड इकोनॉमी बनाने में अहम फैक्टर रहेगा। जबकि लेबर मार्केट का भारत कितना लाभ उठा पाता है, ये इस पर निर्भर करेगा कि लोगों को कितना कुशल बनाया जाता है और वर्कफोर्स में महिला भागीदारी कितनी बढ़ती है। रेटिंग एजेंसी मूडीज़ ने मंगलवार को चीन की अर्थव्यवस्था के आउटलुक को स्टैबल से घटाकर

नेगेटिव कर दिया है। इसकी वजह लगातार मीडियम टर्म इकोनॉमिक ग्रेथ का कमजोर रहना और प्रॉपर्टी सेक्टर का कमजोर होना रही है। हालांकि एजेंसी ने चीन की ओवरऑल रेटिंग ए '1' पर बरकरार है।भारत इस समय दुनियां में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है. हालांकि अभी देश की जीडीपी फिलहाल 4 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को नहीं छू पाई है, लेकिन इस नई ऊंचाई तक पहुंचने से बहुत दूर भी नहीं है। दरअसल रविवार को सोशल मीडिया पर एक स्क्रीनशॉट बहुत वायरल हुआ, जिसमें भारत की जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर हो जाने का दावा किया जा रहा था। एक नई उपलब्धि के तौर पर कई सोशल मीडिया चैनलों ने इसे हाथों-हाथ लिया। हालांकि बाद में पता चला कि ये स्क्रीनशॉट सही नहीं है, परंतु 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत।बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत अगले तीन साल तक सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होगा। साथियों बात अगर हम पीएम के 5 इंडियन डॉलर अर्थव्यवस्था के सपने की करें तो हमारे माननीय पीएम ने इंडियन इकोनॉमी को लेकर जो सपना देखा है, उसका जिक्र उन्होंने और उनकी सरकार के मंत्रियों ने कई मौकों पर किया है। इनमें एक है कि आने वाले पांच-छह साल में दुनिया की तीसरी

सबसे बड़ी इकोनॉमी के तौर पर पेश करना,भारत अभी करीब 3.7 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और दुनियां में सबसे तेजी से आगे बढ़ती इकोनॉमी बना हुआ है. वर्ल्ड बैंक से लेकर आईएमएफ जैसे वैश्विक निकायों से लेकर तमाम रेटिंग एजेंसियां भी भारत को लेकर सकारात्मक बनी हुई हैं। इसके साथ पीएम के भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के सपने को लेकर भरोसा जताया है और कहा है कि भारत 2030 तक ये कमाल कर सकता है।मंगलवार को जारी ग्लोबल क्रेडिट आउटलुक 2024 में रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने कहा है कि भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके साथ ही इसमें कहा गया कि वित्त वर्ष 2026 -27 में देश की जीडीपी वृद्धि 7 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। एसएंडपी ने मार्च 2024 (2023-24) तक वित्त वर्ष में 6.4 फीसदी जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 7.2 फीसदी रही थी। रेटिंग एजेंसी के अनुसार, ग्रेथ रेट अगले वित्त वर्ष (2024-25) में 6.9 फीसदी पर पहुंचने से पहले 6.4 फीसदी बनी रहेगी और 2026-27 में ये 7 फीसदी पर पहुंच जाएगा।



एग्जिट पोल, बड़ा झोल

भाजपा के 80-90 सीटों पर ही सिमटने की भविष्यवाणी भी थी जबकि दैनिक भास्कर के एग्जिट पोल के मुताबिक भाजपा को 95-115 और कांग्रेस को 105-120 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई थी। जन की बात के एग्जिट पोल में भाजपा को 100-123 और कांग्रेस को 102-125 सीटें मिलने का अनुमान था। टीवी-9 पोलस्ट्रैट के एग्जिट पोल में कहा गया था कि भाजपा को 106 और कांग्रेस को 111-121 सीटें मिल सकती हैं। छत्तीसगढ़ में तो लगभग सभी एग्जिट पोल का कांग्रेस को 106 और भाजपा को 111-121 सीटें मिल सकती हैं। छत्तीसगढ़ में तो लगभग सभी एग्जिट पोल कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने की बात कही गई थी।



लेखक : योगेश कुमार गोयल

तेलंगाना विधानसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया के समापन के साथ ही पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम सर्वे एजेंसियों ने अपने-अपने एग्जिट पोल्स का प्रसारण कर दिया था। मिजोरम में 7 नवम्बर, छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवम्बर, मध्य प्रदेश में 17 नवम्बर, राजस्थान में 25 नवम्बर और तेलंगाना में 30 नवम्बर को मतदान हुआ था। अधिकांश एग्जिट पोल में राजस्थान और मध्य प्रदेश में सत्ता के लिए कटि की टक्कर होने का अनुमान लगाया था लेकिन कुछ एग्जिट पोल ऐसे भी थे, जिनमें किसी में कांग्रेस की एकतरफा जीत का अनुमान व्यक्त किया गया था तो किसी में भाजपा की। राजस्थान में आज तक-एक्सिस माव इंडिया के एग्जिट पोल में कांग्रेस के 86-106 जबकि भाजपा के 80-100 सीटें जीतने का अनुमान लगाया था, वहीं जन की बात के एग्जिट पोल के अनुसार कांग्रेस को केवल 62-85 सीटें और भाजपा को 100-122 सीटें मिलने का अनुमान था। इंडिया टीवी-सीएनएक्स के एग्जिट पोल में कांग्रेस को 94-104 सीटें

मिलने का अनुमान था जबकि भाजपा के 80-90 सीटों पर ही सिमटने की भविष्यवाणी भी थी जबकि दैनिक भास्कर के एग्जिट पोल के मुताबिक भाजपा को 95-115 और कांग्रेस को 105-120 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई थी। जन की बात के एग्जिट पोल में भाजपा को 100-123 और कांग्रेस को 102-125 सीटें मिलने का अनुमान था। टीवी-9 पोलस्ट्रैट के एग्जिट पोल में कहा गया था कि भाजपा को 106 और कांग्रेस को 111-121 सीटें मिल सकती हैं। छत्तीसगढ़ में तो लगभग सभी एग्जिट पोल कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने की बात कही गई थी। राजस्थान में न्यूज 24-टुडेज चाणक्य ने भाजपा को 77-101, कांग्रेस को 89-113 और अन्य को 2-16 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया था। इसी प्रकार भाजपा, कांग्रेस तथा अन्य को इंडिया टुडे-एक्सिस माव इंडिया ने क्रमशः 80-100, 86-106 तथा 9-18, टीवी9-पोलस्टार ने 100-110, 90-100 तथा 5-15, दैनिक भास्कर ने 95-115, 105-120 तथा 0-15 सीटें

मिलने की संभावना व्यक्त की थी। वहीं एबीपी-सी वोटर ने भाजपा, कांग्रेस तथा अन्य को क्रमशः 94-114, 71-91 सीटें मिलने का अनुमान जताया था। चुनावी नतीजे देखें तो राजस्थान में भाजपा को 115, कांग्रेस को 69 तथा अन्य को 15 सीटें मिली हैं जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा को 164, कांग्रेस को 65 और अन्य को 1 सीट मिली हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में भी भाजपा तमाम एग्जिट पोल के अनुमानों से परे 54 सीटें हासिल कर पूर्ण बहुमत हासिल करने में सफल रही है। विभिन्न एग्जिट के मुताबिक मिजोरम में एमएनएफ को 14 से 18, कांग्रेस को 8 से 10, जेपीएम को 12 से 16 सीटें मिलने के अनुमान था और त्रिशंकु विधानसभा होने की भविष्यवाणी की गई थी। हालांकि चुनावी नतीजों में जेपीएम को पूर्ण बहुमत के साथ 27 सीटें मिली जबकि एमएनएफ को 10, भाजपा को 2 और कांग्रेस को महज 1 सीट ही मिली यानी मिजोरम में भी तमाम एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरे। देखने वाली बात यह है कि कई एग्जिट पोल के आंकड़ों में बड़ा अंतर था

और साथ ही इनमें हमेशा प्लस-माइनस का भी बड़ा खेल शामिल रहता है। यही कारण है कि एग्जिट पोल में किए जाने वाले दावों पर अब आंख पंदकर भरोसा नहीं किया जाता क्योंकि ये केवल चुनाव परिणामों का पूर्वानुमान ही होते हैं और अभी तक कई बार ऐसा हो चुका है, जब विभिन्न एग्जिट पोल में किए गए पूर्वानुमान से चुनाव परिणाम बिल्कुल उलट रहे। वैसे चुनावी सर्वे कराए जाने में एग्जिट पोल का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि एग्जिट पोल मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही दिखाए जाते हैं। मतदान खत्म होने के कम से कम आधे घंटे बाद तक एग्जिट पोल का प्रसारण नहीं किया जा सकता। इनका प्रसारण तभी हो सकता है, जब चुनावों की अंतिम दौर की वोटिंग खत्म हो चुकी हो। यह नियम तोड़ने पर दो वर्ष की सजा या जुर्माना अथवा दोनों हो

यदि आप सही जीवन बीमा पॉलिसी चुनना चाहते हैं तो निम्नलिखित पांच बातों का ध्यान अवश्य रखें

- **परिवार का कोई अन्य सदस्य वित्तीय जिम्मेदारियों को साझा कर रहा है या नहीं, क्या आपके छोटे बच्चे हैं** जिनकी शिक्षा का ध्यान रखने की आवश्यकता है या फिर परिवार में कोई आसन्न विवाह है।

परिवहन विशेष न्यूज

जीवन बीमा पॉलिसी खरीदना अब उतना आसान नहीं रह गया है जितना कि एक दशक पहले तक हुआ करता था। मसलन, पिछले लगभग दस वर्षों में जीवन बीमा पॉलिसी के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है, जिसके दृष्टिगत बीमाकर्ता अपने ग्राहकों की आधुनिक जरूरतों के साथ अधिक से अधिक जुड़ रहे हैं और अधिकाधिक उत्पाद पेश कर रहे हैं। वहीं, उपभोक्ताओं के लिए इसका मतलब है कि उनके लिए विकल्पों की भरमार है और वो अपने मनपसंद उत्पाद में निवेश कर सकते हैं।

हालांकि यह निस्संदेह एक

संक्षिप्त खबरें

एयरबस के 250 विमानों के ऑर्डर में बदलाव, एयरलाइन के पास अब अधिक संख्या में होंगे E321नियो विमान

एयरलाइन को एयरबस से 250 विमानों के ऑर्डर के तहत 210 नैरोबॉडी E320 फैमिली विमान खरीदने थे |जिनमें 140 E320नियो और 70 E321नियो और बाकी 40 वाइडबॉडी E350 विमान शामिल थे।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने इस साल की शुरुआत में एयरबस को 250 विमानों का ऑर्डर दिया था, लेकिन अब उसके पास अधिक संख्या में E321नियो विमान होंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

दरअसल, एयरलाइन को एयरबस से 250 विमानों के ऑर्डर के तहत 210 नैरोबॉडी E320 फैमिली विमान खरीदने थे |जिनमें 140 E320नियो और 70 E321नियो और बाकी 40 वाइडबॉडी E350 विमान शामिल थे। सूत्र ने कहा कि एयर इंडिया ने एयरबस के साथ ऑर्डर में बदलाव किया है। अब वह 140 E321 नियो और 70 E320नियो का अधिग्रहण करेगी।

सूत्र ने कहा कि एयर इंडिया ने छह E350-900 और 34 E350-1000 के पहले के ऑर्डर को बदलकर 20 E350-900 और 20 E350-1000 कर दिया है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, हम नियमित रूप से व्यावसायिक जरूरतों और अवसरों के आधार पर अपनी ऑर्डर की समीक्षा करते हैं और अनुबंध में उचित बदलाव करते हैं। इस बारे में टिप्पणी के लिए संपर्क किए जाने पर एयरबस ने कहा, "इस रणनीति का खुलासा करना हमारे ग्राहकों पर निर्भर करता है।"

टाटा समूह ने जनवरी 2022 में घाटे में चल रही एयर इंडिया का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया था। इस साल की शुरुआत में एयर इंडिया ने एयरबस और बोइंग को 70 अरब डॉलर (प्रकाशित मूल्य सूची के आधार पर) में 470 विमानों के लिए ऑर्डर दिया था। ऑर्डर में बोइंग के 190 बोइंग 737 मैक्स नैरोबॉडी प्लेन, 20 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर और 10 बोइंग 777एनए शामिल हैं।

महंगा पड़ेगा चैटजीपीटी से बीमारी का इलाज पूछना, मुश्किल में पड़ सकती है जिंदगी

लॉन्ग आइलैंड यूनिवर्सिटी में फार्मासिस्टों द्वारा किए गए एक हालिया अध्ययन से के बाद दवा से संबंधित सवालों के जवाबों के लिए चैटजीपीटी इस्तेमाल जांच के घेरे में आया है। फार्मासिस्टों के एक अध्ययन में पाया गया कि चैटबॉट, चैटजीपीटी, दवा से संबंधित लगभग तीन-चौथाई प्रश्नों के गलत या अशु्रे उत्तर देता है। चैटजीपीटी का इस्तेमाल बड़े स्तर पर हो रहा है। कोई नोट्स बनाने के लिए कर रहा है तो कोई डाइट प्लान बना रहा है। चैटजीपीटी का सबसे ज्यादा इस्तेमाल कस्टमर सपोर्ट में हो रहा है, लेकिन कुछ लोग इतने होशियार हैं कि अपनी बीमारियों के लिए भी चैटजीपीटी से ही राय ले रहे हैं। लोन अपनी बीमारी चैटजीपीटी से बता रहे हैं और फिर उसके द्वारा सुझाए गए सुझाव के आधार पर दवाई ले रहे हैं, लेकिन यह आपको सेहत के लिए बहुत ही खतरनाक हो सकता है। इसे लेकर कुछ एक्सपर्ट ने लोगों को आगाह किया है। लॉन्ग आइलैंड यूनिवर्सिटी में फार्मासिस्टों द्वारा किए गए एक हालिया अध्ययन से के बाद दवा से संबंधित सवालों के जवाबों के लिए चैटजीपीटी इस्तेमाल जांच के घेरे में आया है। फार्मासिस्टों के एक अध्ययन में पाया गया कि चैटबॉट, चैटजीपीटी, दवा से संबंधित लगभग तीन-चौथाई प्रश्नों के गलत या अशु्रे उत्तर देता है। अध्ययन के दौरान चैटजीपीटी से सेहत को लेकर 39 सवाल पूछे गए जिनमें से केवल 10 सवालों के जवाब ही संतोचजनक थे। शेष 29 दवा -संबंधी जवाबों को गलत और अधूरा माना गया। अध्ययन के बाद कहा गया कि चैटजीपीटी का प्री वर्जन और भी खतरनाक है, क्योंकि इसके पास सितंबर 2021 तक की ही जानकारी उपलब्ध है।



फायदा है, जो सही प्रकार के उत्पादों और आपके लिए आवश्यक कवर की मात्रा का निर्णय करना बहुत अधिक भ्रमित करने वाला हो गया है। इसलिए यदि आप भी इस दुविधा भरी स्थिति का सामना कर रहे हैं कि आपके लिए सही कवर क्या है, तो निम्नलिखित युक्तियाँ आपके बहुत काम आएंगी। लिहाजा आप इन पर गौर कीजिए और विवेकसम्मत निर्णय लीजिए। या फिर इस क्षेत्र के विशेषज्ञों की राय लीजिए।

अपनी सगी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करें और सोच-विचार करके सटीक

निर्णय लें

आपके अकस्मात गुजर जाने के बाद आपके अपने परिवार को किसी भी वित्तीय परेशानी से बचाने के लिए आपको जीवन बीमा पॉलिसी की आवश्यकता है। इसलिए जीवन बीमा पॉलिसी के महत्व को कतई कम नहीं आंका जा सकता है। लिहाजा बीमा कवर की सही मात्रा तय करना अपने आपमें बहुत महत्वपूर्ण कारक है। अतएव आपको कई कारकों को ध्यान में रखते हुए इस बात पर पर्याप्त विचार करना चाहिए, जैसे कि आपके आश्रितों की संख्या,

परिवार का कोई अन्य सदस्य वित्तीय जिम्मेदारियों को साझा कर रहा है या नहीं, क्या आपके छोटे बच्चे हैं जिनकी शिक्षा का ध्यान रखने की आवश्यकता है या फिर परिवार में कोई आसन्न विवाह है। इन सभी कार्यों के अलावा आप अपनी वर्तमान आय, पिछले कुछ वर्षों में आपका वेतन कितना बढ़ा है और आगे कितना बढ़ेगा तथा आपकी संपत्ति और देनदारियों पर भी विचार करना चाहिए। अंत में, आप जिस जीवनशैली का नेतृत्व करते हैं, उसके मुताल्लिक भविष्य में आपकी जो वित्तीय आवश्यकताएं हैं, उन्हें भी ध्यान में अवश्य रखें। यदि आप इन बातों को ध्यान में रखकर फैसले करेंगे, तो वह आपके पक्ष में जाएगा।

बीमा प्रीमियम, प्रशासन और फंड प्रबंधन शुल्क, मृत्यु दर शुल्क, राइडर्स आदि के भुगतान में शामिल लागतों की पूरी जांच कर लें, तब लें निर्णय

क्या आपको पता है कि जीवन में हर चीज की तरह ही, आपको जीवन बीमा कवर खरीदते समय भी लागत कारक पर अधिकाधिक

पोषण स्मार्ट ग्राम- कुपोषण से निपटने के लिए एक प्रभावकारी पहल

परिवहन विशेष न्यूज

आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में भारत की आजादी के 75 वें वर्ष के उपलक्ष्य में पोषण अभियान को मजबूत करने के लिए रपोषण स्मार्ट गांव पर एक कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस नई पहल का लक्ष्य कृषि में महिलाओं पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (कृषि में महिलाओं पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना - एआईसीआरपी-डब्ल्यूआईए) के नेटवर्क के माध्यम से भारत भर के 75 गांवों तक पहुंचना है, जो भुवनेश्वर स्थित समन्वय संस्थान के अलावा भारत के 12 राज्यों में 13 केंद्रों पर चल रहा है। यह पहल प्रधानमंत्री द्वारा सभी शिक्षाविदों, कृषि वैज्ञानिकों और सभी संस्थानों के 75 गांवों को अडाप्ट करने और उनमें बदलाव लाने के आह्वांन के अनुरूप शुरू की गई है। पहल के तहत एआईसीआरपी



केंद्रों और एआईसीआर-सिवा द्वारा कुल 75 गांवों को गोद लिया जाएगा, जिसके लिए एआईसीआरपी केंद्र 5 गांवों को गोद लेंगे और शेष को आईसीआर-सिवा द्वारा 75 न्यूट्री-स्मार्ट गांवों को विकसित करने के उद्देश्य से गोद लिया जाएगा। बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए पोषण युक्त आहार आवश्यक है और आवश्यक पोषक तत्वों की कमी से कुपोषण होता है। इस प्रकार भारत के केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को समाप्त करने और भारत के

ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच पोषण युक्त भोजन से संबंधित जागरूकता पैदा करने के लिए पोषण स्मार्ट गांव पहल की शुरुआत की। 'पोषण स्मार्ट विलेज' (एनएसबी) अवधारणा मुख्य रूप से कुपोषण के अंतर्निहित कारणों को संबोधित करने और समुदाय के अधिकारों और हकदारियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए बहुक्षेत्रीय दृष्टिकोण पर आधारित है। अंतर्निहित कारण देश के सामाजिक और आर्थिक परिवेश का प्रभाव है। इन्हें मूल कारणों के

रूप में संदर्भित किया जाता है और इसमें मानव संसाधन की गुणवत्ता, आर्थिक और सामाजिक संसाधनों का उपयोग करने का तरीका और सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति शामिल है। प्रमुख रूप से अंतर्निहित और बुनियादी कारणों को संबोधित करके दीर्घकालिक कुपोषण में सतत कमी संभव बनाई जा सकती है। इस दिशा में एनएसबी अवधारणा कृषि, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, वाश,

शिक्षा और पोषण के साथ आजीविका के बीच अंतर्संबंध को प्रदर्शित करती है। यह भोजन के अधिकार पर भी ध्यान केंद्रित करता है और समुदाय को अधिकारों तक पहुंचने और बाजारों पर निर्भरता कम करने के लिए सशक्त बनाता है।

इस पहल का उद्देश्य

- ग्रामीण क्षेत्रों में कृषक महिलाओं और स्कूली बच्चों को शामिल करते हुए पोषण संबं धी

जागरूकता, शिक्षा और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना।

- कुपोषण को दूर करने के लिए स्थानीय नुस्खे के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करना।

- होमस्टेड कृषि और न्यूट्री-गार्डन के माध्यम से पोषण-संवेदनशील कृषि को लागू करना।

कुपोषण मुक्त गांवों के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पोषण अभियान को मजबूत करने के लिए न्यूट्री-विलेज/न्यूट्री-फ़ूड/न्यूट्री-डाइट/न्यूट्री-शाली आदि की अवधारणा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए गहन जागरूकता अभियान और क्षेत्रीय गतिविधियाँ शुरू की जाएंगी। महिला किसानों के बीच जीवन के सभी क्षेत्रों में उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूकता भी पैदा की जाएगी। एआईसीआरपी केंद्रों द्वारा

विकसित उत्पादों, उपकरणों और प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन बहु-स्थान परीक्षणों के माध्यम से किया जाएगा। **पोषण स्मार्ट ग्राम पहल छोटे काम करती है?**

भारत सरकार कुछ सरकारी प्राधिकरणों के तहत गांवों को विभाजित करके एक पोषण स्मार्ट गांव के विकास को हासिल करने की कोशिश कर रही है। जैसे भारत सरकार ने भारत में नामित 75 गांवों में इस पहल को बढ़ावा देने के लिए अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की नियुक्त किया है। भारत के 12 राज्यों में 13 केंद्र एआईसीआरपी को आर्वाइट किए गए थे और प्रत्येक केंद्र को 5 गांवों को गोद लेना था। इस प्रकार शेष गांव आईसीएआर के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं-

पॉलिसियाँ खरीदी थीं, वे तब पर्याप्त नहीं हो सकतीं जब आप शादीशुदा हों और परिवार में एक सदस्य जुड़ गया हो। चूंकि अब आप एक से तीन हो गए, साल दो साल बाद चार भी हो सकते हैं, इसलिए समय-समय पर अपनी बीमा आवश्यकताओं का पुनर्मूल्यांकन करें और हर हाल में यह सुनिश्चित कर लें कि आपका परिवार सुरक्षित है। आपकी अनुपस्थिति में उन्हें ज्यादा परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी।

सच कहूँ तो जीवन बीमा पॉलिसी यानी इससे जुड़ा हर उत्पाद अब प्रायः हर किसी के जीवन का एक महत्वपूर्ण और अमिट हिस्सा होना चाहिए। इसलिए हमारी सलाह यही है कि सही मात्रा में बीमा कवर चुनें और इस बात से आश्वस्त रहें कि जब आप उनकी देखभाल करने के लिए मौजूद नहीं रहेंगे तो आपके परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। थूलिप निवेश योजना और टर्म इंश्योरेंस योजना इसके लिए एक बेहतर विकल्प हैं, लेकिन बीमा बाजार में मौजूद यदि हर प्रॉडक्ट पर गहन मंथन आप कर लेंगे तो आपके भविष्य के लिए और अच्छा रहेगा।

पोषण शिविर

वहां रहने वाले लोगों को पोषण के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए एआईसीआरपी द्वारा गांव में पोषण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अधिकारी महिलाओं को पोषण से भरपूर आहार तैयार करना सिखाते हैं। **खाद्य पैकेट**

पोषण स्मार्ट गांव पहल के तहत लोगों के बीच पोषक तत्वों से भरपूर भोजन के पैकेट वितरित किए जा रहे हैं। ताकि उन्हें सभी पोषक तत्व एक पैकेट में पैक होकर मिल सकें।

पोषक खेती को बढ़ावा देना

इस पहल के तहत सरकार पोषक खेती को बढ़ावा दे रही है ताकि यह किसानों को अपने परिवारों और राष्ट्र को वही पोषक तत्व युक्त भोजन खिलाने की अनुमति दे सके।

कम डिमांड ने घटाई सोने की कीमत, चांदी की चमक पड़ी फ़ीकी

आज सरफ़ाा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार आज दिल्ली में सोना 400 रुपये गिरकर 62850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया वहीं पिछले कारोबार में गोल्ड 63250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।इसके अलावा आज चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली। कम डिमांड ने घटाई सोने की कीमत, चांदी की चमक पड़ी फ़ीकी लखनऊ में 24 केरैट 10 ग्राम सोने फोरेट 62,820 रुपये है।अगर आप आज सोने या चांदी खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो आपके लिए आज अच्छा मौका है। सरफ़ाा बाजार में आज सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। चलिए जानते हैं सोने और चांदी की मांग में गिरावट के कारण बुधवार हुआ सोना? एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की मांग में गिरावट के कारण बुधवार को सोना 400 रुपये गिरकर 62,850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।



जाए तो जब भी हमें पढ़ाई करने, मकान बनाने, घर खरीदने, किसी व्यापार की शुरुआत करने, नई कार या अन्य वाहन खरीदने या फिर अन्य बड़े काम के लिए रुपये की आवश्यकता पड़ती है तो हमलोग लोग का सहारा लेते हैं। इसके लिए हमलोग अधिकांशतः बैंक का ही रुख करते हैं।लेकिन अनुभव बताता है कि कई लोगों के लोन आवेदन बैंक द्वारा निरस्त कर दिए जाते हैं।

मसलन, कई लोगों के साथ लोन आवेदन निरस्त करने का प्रकरण लगातार चलता रहता है। इसलिए यह जरूरी है कि बैंक की सभी बारीकियों को समझने के बाद ही आवेदन भरा जाए और आवश्यक सभी दस्तावेज जमा कराया जाए। क्योंकि सभी दस्तावेज पूरे करने के बाद भी लोन आवेदन निरस्त होना किसी अस्मान के बिखरने के जैसा होता है। इसलिए किसी भी प्रकार

के लोन के लिए आवेदन जमा करते समय बिल्कुल सही सही जानकारी दर्ज करें।क्योंकि कोई भी गड़बड़ी मिलने पर आपके लोन आवेदन को निरस्त किया जा सकता है। वस्तुतः अब कोई भी लोन देने से पहले बैंक की ओर से बारीकीपूर्वक जांच की जाती है। ऐसे में अगर आपके लोन आवेदन को किसी भी बैंक द्वारा निरस्त किया जाता है तो आपको उसके पीछे के कारणों का पता लगाना चाहिए। ऐसा इसलिए कि आपके लोन आवेदन के निरस्त होने के पीछे की कई वजहें हो सकती हैं, जिनमें आय का कम होना, क्रेडिट स्कोर कम होना, पुराने लोन की ईएमआई का समय पर भुगतान नहीं करना, बार-बार आपकी नौकरी में बदलाव होना आदि जैसी कई बातों पर आपको ध्यान देना होगा। जानकारों के मुताबिक, यदि आपका क्रेडिट स्कोर बेहतर है तो

आपको कोई भी लोन आसानी से मिल जाएगा। खासकर यदि आपका क्रेडिट स्कोर 700 या 750 रुपये है तो इसे अच्छा माना जाएगा। इसके बल पर आपको आसानी से कर्ज भी मिल जाएगा। वहीं, किसी कारण वश यदि आपका क्रेडिट स्कोर 700 या 750 रुपये से कम है तो आपको लोन मिलने में बिभिन्न तरह की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में सबसे पहले आपको अपने क्रेडिट स्कोर को बेहतर बनाने पर काम करना चाहिए। उसके बाद ही किसी भी प्रकार के लोन को पाने के लिए आवेदन करना चाहिए। वहीं, क्रेडिट स्कोर में भी अगर कहीं कोई गलती नजर आती है तो भी लोन आवेदन निरस्त हो जाती है। वहीं, दूसरी बात ध्यान रखने योग्य यह है कि अगर आप किसी भी प्रकार का लोन लेने जा रहे हैं तो एक साथ

कई वित्तीय संस्थानों में आवेदन नहीं करें। क्योंकि जब वे आपका क्रेडिट स्कोर चेक करते हैं तब सम्बंधित डिटेल्ड क्रेडिट रिपोर्ट में दर्ज कर देते हैं। ऐसे में अगर आप ज्यादा बैंकों के पास लोन लेने एक ही समय पर जायेंगे तो उन्हें इसका पता चल जाएगा। इसके अलावा, जब भी आप किसी प्रकार के लोन के लिए आवेदन करते हैं तो उस समय बिल्कुल सही सही जानकारी दर्ज करें। क्योंकि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोई भी गड़बड़ी होने पर आपके लोन आवेदन को निरस्त किया जा सकता है। वहीं, आपको अपने वेतन के अनुरूप ही ईएमआई का भी प्रारूप बनाना चाहिए।क्योंकि अगर आपके बैंक को आपके लोन की राशि और आपकी आय के बीच कोई तालमेल नजर नहीं आता है, तो भी आपका लोन आवेदन निरस्त हो सकता है।

पंजीकृत निवेश सलाहकार – सेबी के अनुसार मानदंड और योग्यता

- **इसमें व्यक्ति, साझेदारी फर्म, एलएलपी, कंपनियां और कोई भी अन्य संस्था शामिल है जो शुल्क के लिए निवेश सलाहकार सेवाएं प्रदान करती है।**

परिवहन विशेष न्यूज

सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार क्या होता है?

सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार का अर्थ ग्राहकों को वित्तीय सलाहकार सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड- सेबी)) के साथ अधिकृत और पंजीकृत एक पेशेवर होता है। सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार को सेबी द्वारा निर्धारित आचार सहिता, प्रकटीकरण मानदंडों और न्यूनतम योग्यता और अनुभव आवश्यकताओं का पालन करना होता है।

सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार का प्राथमिक उद्देश्य ग्राहकों को उनके वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम प्रोफाइल और निवेश प्राथमिकताओं के आधार पर निष्पक्ष और व्यक्तिगत निवेश सलाह प्रदान करना है। निवेशक सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार से भरोसेमंद और पारदर्शी सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

सरल शब्दों में एक निवेश सलाहकार एक ऐसे व्यक्ति को



संदर्भित करता है जो किसी व्यक्ति, लोगों के समूह या कंपनियों के निवेश-संबंधी सलाह प्रदान करने में सक्रिय रूप से लगा रहता है।

निवेश सलाहकार के रूप में किसे पंजीकरण कराने की आवश्यकता होती है ?

कोई भी व्यक्ति या संस्था जो निवेश सलाहकार होता है, उसे सेबी के साथ पंजीकृत होना होता है। इसमें व्यक्ति, साझेदारी फर्म, एलएलपी, कंपनियां और कोई भी अन्य संस्था शामिल है जो शुल्क के लिए निवेश सलाहकार सेवाएं प्रदान करती है। निवेश सलाहकार फर्मों के कर्मचारी और प्रतिनिधि जो ग्राहकों के साथ बातचीत करते हैं और सलाह देते हैं, उन्हें भी सेबी के साथ पंजीकृत होना चाहिए।

हालाँकि, बैंकर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, या बीमा एजेंट जैसे किसी

भी व्यक्ति को निवेश सलाहकार के रूप में पंजीकरण करने की आवश्यकता नहीं होती है। लेकिन यदि ऐसा कोई व्यक्ति प्राथमिक सेवा के रूप में निवेश सलाह प्रदान करना चाहता है तो वह एक आईए के रूप में सेबी के साथ पंजीकरण कर सकता है।

पंजीकृत निवेश सलाहकार (आरआईए) के लिए सेबी के नियम

निम्नलिखित कुछ नियम हैं जिनका एक आरआईए को पालन करना चाहिए।

- पंजीकरण: आरआईए को सेबी के साथ पंजीकृत होना चाहिए और न्यूनतम योग्यता और अनुभव आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए। उन्हें प्रमाणन परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होगी।

- प्रत्यर्थी कर्तव्य: आरआईए को अपने ग्राहक के सर्वोत्तम हित में कार्य करना चाहिए और निष्पक्ष सलाह प्रदान करनी चाहिए।

- प्रकटीकरण: आरआईए को शुल्क सहित अपने निवेश उत्पादों और सेवाओं के बारे में सभी जानकारी का खुलासा करना चाहिए।

- रिकॉर्ड-कीपिंग: आरआईए को सभी ग्राहक लेनदेन और इंटरैक्शन का विस्तृत रिकॉर्ड बनाए रखना चाहिए।

- अनुपालन: आरआईए को विज्ञापन और विपणन, हितों के टकराव और ग्राहक गोपनीयता सहित सेबी के सभी नियमों का पालन करना चाहिए।

पात्रता मापदंड

एक पंजीकृत आरआईए होने के लिए निम्नलिखित पात्रता होनी चाहिए:

- न्यूनतम आयु 21 वर्ष।
- न्यूनतम पांच वर्ष का प्रासंगिक अनुभव।
- किसी भी आर्थिक अपराध या प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन के लिए कोई पूर्व दोषसिद्धि नहीं।

- व्यक्तिओं के लिए कुल संपत्ति कम से कम रू. 1 लाख की और रू. 25 लाख गैर-व्यक्तियों के लिए।

- स्टॉकब्रोकर या सब-ब्रोकर, डिपॉजिटरी भागीदार या किसी से संबद्ध नहीं।

योग्यता

व्यक्ति के पास वित्त, अर्थशास्त्र, या व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री या सीए, सीएफए, या एमबीए जैसी व्यावसायिक योग्यता की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए। उन्हें एनआईएसएम (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स) या किसी अन्य सेबी-मान्यता प्राप्त संगठन द्वारा आयोजित प्रमाणन परीक्षा में उत्तीर्ण होनी चाहिए। निवेश सलाहकार के रूप में पंजीकरण प्रक्रिया

सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार बनने के लिए निम्नलिखित चरण हैं:

- प्राप्तिके पास संबंधित क्षेत्रों में प्रासंगिक डिग्री और कार्य अनुभव होना चाहिए।

- एनआईएसएम प्रमाणन परीक्षा उत्तीर्ण करना: एनआईएसएम-सरीरज-एक्स-बी: निवेश सलाहकार (स्तर 1) प्रमाणन

परीक्षा निवेश सलाहकार बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- सेबी पंजीकरण के लिए आवेदन करें: पहचान, योग्यता, अनुभव, सिबिल स्कोर, निवल मूल्य प्रमाण पत्र, आयकर रिटर्न और एक आवेदन शुल्क सहित आवश्यक दस्तावेजों के साथ फॉर्म ए के माध्यम से सेबी में आवेदन करें।

- आवेदन शुल्क का भुगतान करें: आपकी आवेदन शुल्क के रूप में 5,000 रुपये का भुगतान करना होगा।

- सेबी की मंजूरी की प्रतीक्षा करें: सेबी आवेदन की समीक्षा करेगा और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त जानकारी मांग सकता है।

- पंजीकृत हो जाएं: एक बार जब सेबी आपके आवेदन को मंजूरी दे देता है तो आपको एक पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा और आप सलाहकार सेवाएं देना शुरू कर सकते हैं।

- नियमों का अनुपालन: निवेश सलाह प्रदान करते समय आपको सेबी के नियमों का पालन करना चाहिए और नैतिक मानकों का पालन करना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

केलांग, कल्पा और समदो का न्यूनतम तापमान लगातार तीसरी रात माइनस में, तिरुनर बढ़ी

शिमला प्रदेश में बारिश और बर्फबारी का दौर थमते ही शीतलहर बढ़ गई है। केलांग, कल्पा और समदो का न्यूनतम तापमान लगातार तीसरी रात माइनस में दर्ज किया गया। इन क्षेत्रों में अब रात के समय सड़कों पर कोहरा पड़ने लगा है। फिसलन बढ़ने से वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। मंगलवार रात को केलांग में न्यूनतम तापमान माइनस 5.2, समदो में माइनस 2.7 और कल्पा माइनस 0.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। बारिश-बर्फबारी के बाद शिमला, ऊना, सोलन, कांगड़ा में भी सुबह-शाम के समय मौसम में ठंड बढ़ गई है। राजधानी शिमला सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में बुधवार को धूप छिली। 10 दिसंबर तक प्रदेश में मौसम साफ बना रहने का पूर्वानुमान है। 11 दिसंबर से फिर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। मंगलवार को रिकॉंगपिओ में न्यूनतम तापमान 1.7, नारकंडा में 3.2, भुंतर में 2.2, कुफरी में 4.7, मंडी में 1.7, शिमला में 7.0, सुंदरनगर में 2.6, सोलन में 5.3, ऊना में 6.0, कांगड़ा में 5.3 और धर्मशाला में 9.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

शहर में टैक्निकल सर्वे जारी, 80 मीटर गहराई तक ड्रिलिंग पूरी, नहीं मिली हाई रॉक

जोशीमठ (चमोली) शहर में भू-धंसाव से प्रभावित क्षेत्रों में भार क्षमता का पता लगाने के लिए लोनिवि की ओर से नीदरलैंड की फुगरो कंपनी से जिने टेक्निकल ड्रिलिंग सर्वे कराया जा रहा है। सुनील वाई से ओली रोड पर ड्रिलिंग सर्वे पूरा कर दिया है। 180 मीटर गहराई तक ड्रिलिंग के बाद भी यहां हाई रॉक नहीं मिली है। अब टीम के द्वारा मनोहर बाग वाई पर दूसरी ड्रिलिंग शुरू की जाएगी।

कंपनी की ओर से 13 नवंबर से टेक्निकल सर्वे शुरू किया गया था। सुनील वाई के अलावा सिंहदराग वाई, मनोहरबाग वाई, मारवाड़ी सहित छह स्थानों पर ड्रिलिंग की जानी है। लोनिवि के अधिशासी अभियंता राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि 80 मीटर तक खुदाई की जा चुकी है, लेकिन अभी तक हाई रॉक नहीं मिली है। जोशीमठ पुनर्निर्माण के लिए केंद्र ने दी 1658 करोड़ की योजना को हरी झंडी केन्द्र सरकार ने भू धंसाव से ग्रस्त जोशीमठ में पुनर्निर्माण के लिए 1658.17 करोड़ की योजना को हरी झंडी दिखा दी है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने रिकवरी एंड रिकस्ट्रक्शन योजना को मंजूरी दी।

शिवराज के बाद वीडी शर्मा का बड़ा बयान, बोले- न मुख्यमंत्री की रেস में है ना मेरे मन के अंदर है

भोपाल ,मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने पुष्पावार को बाबा साहब अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उनकी तस्वीर पर पुष्पाजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मुख्यमंत्री की रেস में शामिल होने के सवाल पर कहा कि न मेरा नाम सोएस की रেস में है ना मेरे मन के अंदर है। जो काम पार्टी ने दिया है उसे कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर चर्चा करने का काम मेरा नहीं है। जिनको यह काम है वह कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि 2024 की तैयारी में डर बुध पर मोदी अभियान के साथ जुट गए हैं।

ओपन टनल के पीछे लगातार हो रहा भूस्खलन, आवाजाही में बना खतरा

उत्तरकाशी

गंगोत्री हाईवे पर सड़क सुरक्षा गैलरी के रूप में निर्मित ओपन टनल के पीछे लगातार भूस्खलन हो रहा है लेकिन इसे नजरंदाज किया जा रहा है। एनएचआईडीसीएल टनल के नीचे भूस्खलन प्रभावित हिस्से की मरम्मत कर रहा है लेकिन टनल के पीछे भूस्खलन प्रभावित हिस्से को बिना उपचार के ही छोड़ दिया है।

2010 में जिला मुख्यालय से गुजरने वाले गंगोत्री हाईवे पर चुंगी बड़ेथी क्षेत्र में भूस्खलन जोन सक्रिय है। इस हिस्से में एनएचआईडीसीएल (राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड) ने 28 करोड़ की लागत से भूस्खलन प्रभावित पहाड़ी का उपचार कराया लेकिन यह भी कारगर नहीं दिखाई देने पर यहां दोबारा 28.3 करोड़ से सड़क सुरक्षा गैलरी के रूप में ओपन टनल बनाई गई। 2021 में बनकर तैयार हुई ओपन टनल के नीचे पहली बार भूस्खलन अगस्त 2021 में हुआ था। भागीरथी नदी

सुन्दर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में 4 दिवसीय प्लेसमेंट रेडीनेस एनहान्समेंट प्रोग्राम का हुआ आयोजन

प्रोग्राम का आरम्भ 29 नवम्बर को दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस प्रोग्राम का उद्देश्य सभी फाइनल ईयर के छात्रों को प्लेसमेंट के लिए सभी जरुरी स्किल्स सिखाना था। जिससे सभी छात्रों को इंटरव्यू देने में किसी तरह की परेशानी न हो।

गाजियाबाद

गाजियाबाद स्थित, सुन्दर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में रूबीकॉन स्क्ल डेवलपमेंट प्रा0 लि0 के सहयोग से 4 दिवसीय 29 नवम्बर 2023 से 2 दिसम्बर 2023 तक प्लेसमेंट रेडीनेस एनहान्समेंट प्रोग्राम का आयोजन सुन्दर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के सभी फाइनल ईयर के विद्यार्थियों के लिए किया गया। प्रोग्राम का आरम्भ 29 नवम्बर को दीप प्रज्ज्वलित



करके किया गया। इस प्रोग्राम का उद्देश्य सभी फाइनल ईयर के छात्रों को प्लेसमेंट के लिए सभी जरुरी स्किल्स सिखाना था। जिससे सभी छात्रों को इंटरव्यू देने में किसी तरह की परेशानी न हो। इन 4 दिनों की ट्रेनिंग में रुबिकॉन कम्पनी के 4 प्रोफेशनल ट्रेनर्स अरुनेश रावत, रविंद्र सिंह, वरुण खन्ना एवं अमन कुमार

द्वारा दी गई।

इस ट्रेनिंग में विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट के लिए जरुरी स्किल्स जैसे एक्सपेक्टेशन सेटिंग, आइस ब्रेकिंग, ऑरगनाइजेशनल स्ट्रक्चर, स्पोर्ट्स एनालिसिस, कॉरपोरेट जर्गनस, पब्लिक स्पीकिंग, प्रोजेक्शन स्किल्स, ईमेल एटीकेट, ग्रूमिंग, बॉडी लैंग्वेज, टेलीफोन एटीकेट,

ग्रुप डिस्कशन, पर्सनल इंटरव्यू इत्यादि जैसे महत्वपूर्ण स्किल्स सीखें। सभी विद्यार्थियों ने इस प्रोग्राम में बहुत-चढ़कर हिस्सा लिया। और इस प्रोग्राम के आयोजन के लिए कॉलेज प्रबंधन की जमकर तारीफ की। इस प्रोग्राम के अंत में समापन समारोह का आयोजन किया गया।

जिसमें टेजर्स द्वारा चयनित छात्र/छात्राओं को उनके ट्रेनिंग के दौरान बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए अवार्ड दिये गये।

सभी विद्यार्थियों ने चारो ट्रेनर्स को धन्यवाद दिया। और उनके साथ फोटो खिचवायें। इस मौके पर एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के चेयरमैन महेन्द्र अग्रवाल, वाईस चेयरमैन अखिल अग्रवाल, चांसलर प्रो. डॉ. के.के. अग्रवाल, वाईस चांसलर प्रो. डॉ शक्ति कुमार, रजिस्ट्रार श्री पीयूष श्रीवास्तव, संस्थान के सभी डायरेक्टरस, प्रिंसपल्स, डीन, एचओडी और प्रोफेर्सस ने इस प्रोग्राम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। अंत में हेड सीआरसी अमित भारद्वाज ने संस्थान के प्रबन्धन पदाधिकारियों, एडमिन स्टॉफ और सभी प्रोफर्सस, डायरेक्टर्स, स्टूडेंट वालंटिर्स का प्रोग्राम के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर धन्यवाद अर्पित किया।

मोटरसाइकिल की डिग्गी से 70 हजार रुपए बदमाशों ने किया पार, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज



जिसके बाद मामले की शिकायत पीड़ित ने बुद्धर थाने में की है। पुलिस मामले की पड़ताल कर घटनास्थल में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगाल रही है।

शहडोल

शहडोल में बाइक की डिकची से पैसे गायब होने का मामला सामने आया है। बता दें कि बहन की शादी के लिए चौराडौह निवासी उदित विश्वकर्मा बैंक से पैसे निकालकर

अपनी बाइक की डिकची में रख दिया था। लेकिन पलक झपकते ही बदमाशों ने वहां से पैसे पार कर दिए। जिसके बाद मामले की शिकायत पीड़ित ने बुद्धर थाने में की है। पुलिस मामले की डिकची में रख दिए थे। बाद में वो मार्केट में खरीददारी करने चले गए। तभी बदमाशों ने इस चोरी को घटना को अंजाम दिया।

गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर लोक सभा में विपक्ष को दिया करारा जबाब

नई दिल्ली

एक देश में एक निशान, एक विधान और एक प्रधान ही होना चाहिए और ये हमने करके दिखाया है

देश की आजादी के बाद लंबे समय तक सत्ता में कांग्रेस की सरकार रही लेकिन जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। कांग्रेस की सरकार में जम्मू-कश्मीर के क्या हालात थे, ये सच किसी से छुपा नहीं है। कश्मीर में चारों ओर दंगे फसाद, आतंकी घटनाएं, पत्थरबाजी, जिहादी दंगे, रोते-बिलखते मासूम यही जम्मू-कश्मीर की सच्चाई थी। एक देश का हिस्सा होते हुए भी जम्मू-कश्मीर का अपना झंडा था, अपना संविधान था, यहाँ तक कि अपनी सरकार भी थी। देश



में लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35अ को खत्म करने के लिए आवाजें उठती रहीं लेकिन कांग्रेस हर बार इस मांग को सिरि से खारिज करते हुए इस पर बात तक करने से भी इंकार करती रही। कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के चलते जम्मू-कश्मीर की जनता को अंधेरे में रखते हुए अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने का काम किया। किंतु आज मोदी सरकार के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर को एक अलग ही तस्वीर देखने को मिलती है। मोदी सरकार सत्ता में आने से पहले ये संकल्प लेकर आई थी कि

वो देश से 2 निशान, 2 संविधान और 2 प्रधान के सिद्धांत को खत्म कर देगी और हुआ भी ऐसा ही। 5 अगस्त, 2019 को मोदी जी के नेतृत्व और अमित शाह के कुशल हुए जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35अ को सदा के लिए समाप्त कर दिया गया और जम्मू-कश्मीर को हमेशा के लिए भारत का अभिन्न हिस्सा बना दिया गया। संसद के शीतकालीन सत्र में मंगलवार को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में साफ

एकता और अखंडता को चुनौती देने वाले असामाजिक लोगों से सचेत रहने का आह्वान किया

डॉ. भरत कुमार, नई दिल्ली

केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने जनता से राष्ट्र की एकता और अखंडता को चुनौती देने वाले असामाजिक लोगों से सचेत रहने का आह्वान किया है। वह आज दिल्ली के कांफिस्टट्यूशन क्लब में आरएसएस के दिग्गज नेता लक्ष्मीनारायण भाला द्वारा लिखित 'संविधान की आत्मकथा' नामक पुस्तक के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। यह चिंता का विषय है कि जिन लोगों ने 1947 में विभाजन की मांग की थी, उनमें से 95 प्रतिशत



आज भी भारत में हैं, जो राष्ट्र की एकता और अखंडता को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश को क्षेत्र, धर्म, जाति और नौकरी में आरक्षण के नाम पर बांटने की कोशिश की जा रही है। हमने प्रत्येक भारतीय

नागरिक को समान अधिकार देने के लिए जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को समाप्त कर दिया है। हमें इतिहास से यह समझना होगा कि किन परिस्थितियों में हम पर सदियों तक विदेशियों का शासन रहा।

Parliament पर हमले की घमकी के बाद दिल्ली पुलिस सतर्क

अमेरिका स्थित खालिस्तानी समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा संसद हमले की बरसी के मौके पर 13 दिसंबर को संसद की नींव को हिला देने की धमकी वाला एक वीडियो संदेश जारी करने के बाद दिल्ली पुलिस अलर्ट पर है। 13 दिसंबर 2001 को शीतकालीन सत्रके दौरान संसद पर आतंकवादी हमला हुआ था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि संसद और उसके आसपास के इलाकों की सुरक्षा पहले ही बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा, किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। अधिकारी ने कहा, जब संसद चल रही होती है तो हम सतर्क रहते हैं। हम किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी एहतियाती कदम उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। खालिस्तानी समर्थक पन्नू ने वीडियो में दावा किया कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने उसे मारने की कोशिश की और उसने इसका जबाब 13 दिसंबर को देने की धमकी दी। वीडियो में संसद पर हुए हमले के दोषी अफजल गुरु की तस्वीर भी थी। पन्नू ने दावा किया कि उनकी प्रतिक्रिया भारतीय संसद की नींव हिला देगी।

मुख्यमंत्री योगी का एलान, डॉ. आंबेडकर पर शोध करने वाले छात्रों को दी जाएगी छात्रवृत्ति

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर का हर कार्य, हर निर्णय 'अंत्योदय' को समर्पित था। उनका पूरा जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है। डॉ भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके अस्थिकलश स्थल का जायजा लिया और उनकी प्रतिमा पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने एलान किया निर्माणधीन आंबेडकर स्मारक में शोध करने वाले छात्रों को प्रदेश सरकार की तरफ से छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेशवासियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। बाबा साहब ने कहा था कि हम सबसे पहले को और अंत में भारतीय हैं। जो लोग भारत को कोसते हैं वह बाबा साहब का भी अपमान करते हैं। दुनिया में जब भी दबे-कुचले समाज के उत्थान की बात आती है तो बाबा साहब का नाम याद आता है। हमने समाज



को जाति के आधार पर नहीं बांटा बल्कि गरीब, दलित, कमजोर वर्ग के विकास पर ध्यान दिया। हर गरीब और वंचित को प्रधानमंत्री आवास और शौचालय की सुविधा का लाभ मिला चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपी में सपा की सरकार चेहरा देखकर लाभ देती थी। दलितों और गरीबों के नाम पर राजनीतिक रोटी सेकी जाती थी लेकिन करते कुछ नहीं थे। मोदी सरकार ने बाबा साहब के सपनों को साकार किया है। जो लोग भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे हैं वह बाबा साहब का अपमान करते हैं। यह सरकार हर गरीब और दलित के साथ खड़ी है। हर गरीब और दलित को आवास और राशन कार्ड की सुविधा दी गई है मुख्यमंत्री योगी ने

कहा कि बाबा साहब की प्रेरणा से हर गरीब और दलित को आवास और राशन कार्ड की सुविधा दी गई है। किसी प्रकार का छुआछूत नहीं हो इस मिशन पर काम कर रहे हैं। प्रत्येक गरीब को आवास दिलाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ग्रामिों के बच्चों के लिए कॉन्वेंट स्कूल की तर्ज पर अटल आवासीय विद्यालय बनाया गया है। हर जिले में परिनिर्वाण दिवस के कार्यक्रम हो रहे है। बाबा साहब के संकल्प से लोगों को जोड़ रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान देने वाले बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का पूरा जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है। संविधान शिल्पी, 'भारत रत्न' बाबा साहब का हर कार्य, हर निर्णय 'अंत्योदय' को समर्पित था। ऐसे हुतात्मा को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर विमन्र श्रद्धांजलि। आंबेडकर महासभा दलितों की लाइफ लाइन है इस मौके पर उनके साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार असिम अरुण और आंबेडकर

महासभा के लालजी निर्मल भी मौजूद थे। लालजी निर्मल ने कहा कि आज पूरी दुनिया में डॉ. आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया जा रहा है। महासभा भी 32 साल से आयोजन कर रही है। महासभा दलितों की लाइफ लाइन है। महासभा के मंच से ही पीछड़े वर्गों को 27 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की गई थी। इसी मंच से हरिजन शब्द प्रतिबंधित किया गया था। कुशीनगर में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा लगनी थी लेकिन अखिलेश यादव ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया।

आंबेडकर स्मारक को लीज पर दिया जाए

लालजी निर्मल ने कहा कि अनुसूचित जाति की सुची में समय-समय पर कुछ जातियों को शामिल किया जाता है। उस पर आपत्ति नहीं है जिन् जातियों को शामिल किया जाता है उससे पहले यह ध्यान दिया जाए कि क्या वह जाति छुआछूत का शिकार रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में बन रहे आंबेडकर स्मारक को लीज पर आंबेडकर महासभा को दे दिया जाए।